IIM
AMRITSAR

वर्ष
2020-21

वार्षिक प्रतिवेदन

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर
सरकारी पॉलिटेक्निक परिसर,
छेहरटा, जी.टी. रोड, अमृतसर – 143105, फोन: 0183 – 2254538

विषयसूची

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ क्र.
1.	संस्थान के बारे में	3
2.	शासी मंडल	5
3.	निदेशक का संदेश	6
4.	शैक्षणिक गतिविधियां	9
5.	पुस्तकालय	13
6.	छात्र उपलब्धियां	15
7.	कक्षा से परेः छात्र क्लब एवं गतिविधियां	20
8.	रुचि समूहों की गतिविधियां	27
9.	प्लेसमेंट	40
10.	संकाय विशेषताएं	45
11.	कार्यकारी शिक्षा	54
12.	पूर्व छात्र संघ गतिविधियां	56
13.	भौतिक अवसंरचना एवं स्थायी परिसर	58
14.	वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए बैलेंस शीट	61
15.	वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु सीएजी रिपोर्ट	

संस्थान के बारे में

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) अमृतसर पंजाब सरकार के सहयोग से शिक्षा मंत्रालय (पुर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा) स्थापित 15वां आईआईएम है। 27 जुलाई 2015 को आईआईएम अमृतसर सोसाइटी के पंजीकरण के पश्चात, वर्ष 2015-17 की कक्षा के लिए प्रथम बैच अगस्त 2015 में प्रवेशित किया गया था। 14 अक्टूबर 2015 को, आईआईएम अमृतसर के शासी मंडल एवं सोसाइटी का गठन किया गया था।

स्वर्ण मंदिर और वाघा सीमा की भूमि अमृतसर में स्थित होने के कारण, संस्थान इस पवित्र शहर द्वारा प्रदान किए गए समृद्ध अनुभव से लाभान्वित है। संस्थान वर्तमान में पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भवन में, रेलवे स्टेशन से 5 किमी और हवाई अड्डे से 10 किमी दूर संचालित है। इसका स्थायी परिसर आईएसबीटी से लगभग 7 किमी और रेलवे स्टेशन से 8.5 किमी दूर बनाया जाएगा, जिससे यह आसानी से सुलभ हो जाएगा।

आईआईएम अमृतसर, वर्तमान में प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम और प्रबंध में डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान करता है। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से, संस्थान ने आवासीय कार्यक्रमों के रूप में एमबीए – व्यापार

विश्लेषिकी और एमबीए - मानव संसाधन प्रबंध में नए कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने कामकाजी वयस्कों के लिए उनके कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए उनके कैरियर की आकांक्षाओं में सहायता करने के लिए एक नया कार्यकारी व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम भी शुरू किया है। इन कार्यक्रमों को विश्व स्तरीय प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि अत्यधिक व्यावहारिक प्रबंध व्यावसायिकों का निर्माण कर सभी क्षेत्रों में उद्यमों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। संस्थान भविष्य के प्रबंधकों के हृदय, विचारों और कार्यों में मजबूत शैक्षिक नींव और मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अनुकरणीय शिक्षा प्रदान करने के लिए अपनी अथक निष्ठा के कारण, आईआईएम अमृतसर ने कम समय में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सीखने के अग्रदूत के रूप में खुद को स्थापित किया है।

संस्थान उसी शिक्षाशास्त्र का अनुसरण करता है जैसा कि प्रतिष्ठित आईआईएम बिरादरी के अन्य सदस्यों द्वारा किया जाता है। अत्याधुनिक आईटी-सक्षम कक्षाओं जैसी विभिन्न सुविधाओं के साथ, एक डिजिटल पुस्तकालय जो सबसे प्रासंगिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और प्रबंध पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान करता है, सभागार, छात्र गतिविधि कक्ष, इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएं, व्यायामशाला, विशाल छात्रावास कमरे, आदि, आईआईएम अमृतसर अपने छात्रों को सीखने और बढ़ने के लिए एक पोषण वातावरण प्रदान करता है। आईआईएम अमृतसर एक उद्यमशीलता संस्कृति बनाने पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जहां छात्र और संकाय मिलकर सर्वोत्तम उद्यमशील समाधान तैयार करते हैं।

योग्य शिक्षकों और उद्योग जगत के नेताओं से सीखने के अलावा, यहां के छात्र विभिन्न क्लब और समिति की गतिविधियों में खुद को शामिल करके सीखते हैं। हमारे छात्रों के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप उन्हें कई कॉर्पोरेट और बी-स्कूल प्रतियोगिताओं में जीत हासिल होती है और अंततः, उनके करियर के आशाजनक अवसर मिलते हैं। सही मायने में, आईआईएम अमृतसर सपनों को पोषित करने, व्यक्तित्वों को फलने-फूलने और दुनिया को बदलने के लिए करियर का खेल का मैदान है।

शासी मंडल

नाम	पद	कार्य
श्री संजय गुप्ता	सीईओ, जागरण प्रकाशन लिमिटेड और मुख्य संपादक, दैनिक जागरण	अध्यक्ष, आईआईएम अमृतसर – पंजाब
प्रो .नागराजन रामामूर्ति	निदेशक, आईआईएम अमृतसर	पदेन सदस्य
श्री विशेष सी चंडीओक	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ग्रांट टॉरटन भारत- एलएलपी	सदस्य
श्री जयंत दावर	प्रबंध निदेशक, संधार टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	सदस्य
श्री कुशल राज चक्रवर्ती	संस्थापक, लोटस पेटल फाउंडेशन	सदस्य
श्री निशांत सक्सेना	सीईओ, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, सिप्ला, दुबई, यूएई	सदस्य
श्री सचित जैन	उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, वर्धमान स्पेशल स्टील लिमिटेड	सदस्य
श्री शशिधर सिन्हा	मीडियाब्रांड्स इंडिया प्रा. लिमिटेड, मुंबई	सदस्य
सुश्री शीला नायर	संसाधन संघटन, टाटा ट्रस्ट, मुंबई	सदस्य
प्रो महिमा गुप्ता	सहायक प्रोफेसर, आईआईएम अमृतसर	सदस्य
श्री मीणा, वी.के., आई.ए.एस.	सचिव, उच्च शिक्षा एवं भाषा विभाग, पंजाब सरकार, चंडीगढ़	सदस्य
सुश्री नीता प्रसाद	संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली.	सदस्य

निदेशक का संदेश

भारतीय प्रबंध संस्थान - अमृतसर के प्रथम पूर्णकालिक निदेशक के रूप में वर्ष 2020-21 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पिछले वर्ष हुई कोविड-19 महामारी के परिणामस्वरूप हमारे जीवन में हम सब ने अभूतपूर्व व्यवधान देखे हे। आईआईएम अमृतसर ने इस महामारी एवं अन्य बाधाओं तथा व्यवधानों के बावजूद भी अपना शैक्षणिक वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण किया। जबकि आईआईएम अमृतसर शैक्षणिक वर्ष के शुरूवात दो सत्र यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा शिक्षा के साथ ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किए गये थे, और जनवरी 2021 से मार्च 2021 तक के अंतिम सत्र के दौरान, संस्थान ने आंतरिक संकाय विभाग के लिए ऑफ़लाइन माध्यम में और अतिथि संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन माध्यम में कक्षाएं संचालित कीं थी।

वर्ष 2019-20 के 254 छात्र संख्या से बढ़कर वर्ष 2020-21 वह 359 हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में कुल 41.33% की वृद्धि का प्रतिनिधित्व प्रतिशत की संवृद्धि दर्शाती है। संस्थान ने विशेष रूप से,

अपनी विविधता में भी वृद्धि की है, जिसमें मात्र 34.74% नए महिला छात्र हैं। छात्र भारत के लगभग सभी राज्यों से प्रवेशित हुए थे, इसी कारण से संस्थान सही मायने मे राष्ट्रीय चरित्र को दर्शाता हैं।

वर्तमान वर्ष के दौरान, आईआईएम अमृतसर ने शिक्षा की उच्चतम गुणवत्ता प्रदान करने के लिए अपनी संकाय संरचना को मजबूत किया था। नए कार्यक्रमों को संपन्न करने हेतु संस्थान ने विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रोंसे कुल 15 (पंद्रह) नए संकाय सदस्यों को नियुक्त किया, जिससे कार्यात्मक और अंतर-अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम की प्रस्तुति मजबूत हो। अर्थशास्त्र, वित्त और आईटी/आईएस क्षेत्रों में प्रत्येक संकाय में दो सदस्य, एचआरएम/ओबी, विपणन, और उत्पादन/संचालन प्रबंध क्षेत्रों में प्रत्येक में तीन संकाय सदस्यों को काम पर रखा गया था। ये नए संकाय सदस्य आईआईएम-अहमदाबाद, बैंगलोर, कलकत्ता, लखनऊ और आईआईटी मद्रास/कर्टिन विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से आईआईएम मे आते हैं। संस्थान ने शैक्षणिक वर्ष वर्ष 2021-22 मे दो नए कार्यक्रम भी विकसित किए उसमे व्यापार विश्लेषिकी (बीए) में एमबीए, एवं मानव संसाधन प्रबंध (एचआरएम) में एमबीए शामिल है। संस्थान के कार्यकारी शिक्षा प्रभाग ने विकसित किया शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से सेवामे कार्यरतों के लिए एक्सिक्युटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एड्मिनिसट्रेशन लागू किया जाएगा। एक्सिक्युटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एड्मिनिसट्रेशन मे प्रतिभागियों का प्रथम समूह मार्च 2021 के महीने में प्रवेशित कराया गया था। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने अगस्त 2020 से हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधकों के लिए डेटा विश्लेषण में एक दीर्घकालिक प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी शुरू किया हे। ओर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधकों के लिए संस्थान ने दिसंबर 2020 में एक अल्पकालिक, एक सप्ताह का नेतृत्व कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक आयोजित किया था।कार्यकारी शिक्षा विभाग ने प्रबंधन विकास के कार्यक्रम की प्रस्तुती करने की लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 ज्ञान भागीदार के रूप में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) में प्रवेश किया। उद्योग-शिक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थान ने कार्यकारी शिक्षा, इंटर्नशिप और अन्य क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ तीन वर्ष हेतु समझौता ज्ञापन किया।

संस्थान ने यूएसए के सीएफए संस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। उस समझौता ज्ञापन के भाग के रूप में, सीएफए संस्थान हर साल सीएफए परीक्षा के लिए तीन छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे। संकाय विशेषज्ञता के लिए शैक्षणिक और सहयोग, शैक्षिक संसाधनों को साझा करने के लिये वर्ष 2020 में संस्थान द्वारा आईसीएसआई के साथ एक और समझौता किया गया। उसमे ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और भी आईसीएसआई छात्र को एक स्वर्ण पदक दिया गया और दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले छात्र को उनके मानदंड के अनुसार दो प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये।इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में संस्थान ने, फ्रांस के केज बिजनेस स्कूल के साथ चर्चा शुरू कर दी है और जल्द ही हम एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले हे।

इस वर्ष के दौरान हम संस्थान मे मानव संसाधन, विपणन, कार्यनीति, संचालन और वित्त सम्मेलन में प्रासंगिक और सामयिक विषयों में भाग लेने वाले प्रमुख उद्योग विशेषज्ञों के साथ वर्चुअल माध्यम में

अपने सम्मेलन का आयोजन किया। घटनाओं के सारांश के प्रसारण के लिए संस्थान ने सीएनबीसी-टीव्ही18 के साथ मिलकर काम किया। महामारी के मध्य में, पंजाब सरकार के सहयोग से, हमारे संस्थान ने 'लाइफ बियॉन्ड कोविड-19 : इंस्टीट्यूशनलाजिंग द न्यू नॉर्मल इन हेल्थ एंड वेलबीइंग' इस विषयपर पर एक वेबिनार भी आयोजित किया था, जिसमें क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ सहभागी थे। आने वाले वर्ष में, संस्थान और भी अधिक ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

प्रो. नागराजन रामामूर्ति, पीएच.डी.,

निदेशक

शैक्षणिक गतिविधियां

<u>छात्र जनसांख्यिकी:</u>

शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के दौरान, आईआईएम अमृतसर ने एमबीए-05 बैच में प्रवेश मे एक सौ छियालीस (146) छात्रों की तुलना में एमबीए कार्यक्रम में दो सौ बारह (212) छात्रों को प्रवेश दिया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 45.21% वृद्धि दर्शाता है।

आईआईएम अमृतसर हितधारकों (संकाय, छात्र और कर्मचारियो) के साथ अपने संबंधों के सभी पहलुओं में विविधता और समावेशिता को महत्व देता है। इसके लिए, एमबीए-06 बैच में 212 में से 3 73 महिला छात्रों (34.43%) की तुलना में एमबीए-05 बैच की संख्या के 146 कुल प्रवेश में से महिला छात्रो की 17 (11.46%) हो गई। यह वृद्धि संस्थान के लिए सामान्य किंतु महत्वपूर्ण है।

हालांकि, एमबीए- बैच 06 ने आरक्षित श्रेणी के प्रवेश के तुलने में कमी दिखाई दी। एमबीए 05बैच की तुलना में जिसमें आरक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र निकाय का केवल 50% शामिल था, एमबीए-06 बैच में आरक्षित वर्ग से आने वाले छात्रों का 30.67% शामिल था। जबकि संस्थान ने आरक्षित श्रेणी के छात्रों को प्रवेश का प्रस्ताव दिया, उनमें से कई ने या तो अपनी शैक्षिक योजनाओं को स्थगित कर दिया या अन्य संस्थानों में अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने का निर्णय किया।

एमबीए-05 और एमबीए-06 बैच दोनों में अभियांत्रिकी छात्रों का प्रमुख प्रतिनिधित्व था (146 में से 104 विरुद्ध 212 में से 151 या 71.23%), बाकी छात्र विभिन्न जैसे कि कला, मानविकी और वाणिज्य क्षेत्रों से आए थे।

विभिन्न सांख्यिकीय मापदंडों पर छात्रों का विस्तार नीचे प्रस्तुत किया है:*

	पुरुष	महिला	अ.जा.	अ.ज.	ओबीसी	ईडब्ल्यूएस	इंजीनियर	गैर-इंजीनियर	अनुभवी	गैर-अनुभवी	कुल
एमबीए-05	129	17	24	9	40	0	104	42	84	62	146
एमबीए-06	139	73	13	8	43	1	151	61	100	112	212

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर
Indian Institute of Management Amritsar
WELCOME
BATCH MBA-06

RATION OF MBA 06 BATCH
31ST JULY 2020
IIM
AMRITSAR
IIM
AMRITSAR

कार्यक्रम और रैंकिंग:

<u>डॉक्टरेट कार्यक्रम</u>-: शैक्षणिक वर्ष2020 - 21 के दौरान, संस्थान ने 6 छात्रों को डॉक्टरेट कार्यक्रम में प्रवेश देने की योजना बनाई और उनमेसे पांच योग्य एवं गुणोत्कृष्ट छात्रों को प्रवेश दिया गया। एक छात्र वित्त विषय में प्रतिभागी हुआ और सफलतापूर्वक प्रथम वर्ष पूर्ण किया। अन्य चार छात्र जिन्हें कार्यक्रम में प्रवेशित कराया गया था, उन्होंने कोविड - 19महामारी के कारण अपनी योजनाओं को बाद के वर्षों के लिए स्थगित कर दिया।

<u>नवीन कार्यक्रम</u>:- आईआईएम अमृतसर के संकाय सदस्य ने मार्केट के सर्वेक्षण के बाद दो नए एमबीए कार्यक्रम; व्यापार विश्लेषण मे एमबीए और एचआरएम मे एमबीए विकसित करने के लिए अथक प्रयास किया। इन दोनों कार्यक्रमों को शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान शुरू किया जाएगा।

<u>रैंकिंग</u> -: शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान, संस्थान ने दो एमबीए रैंकिंग सर्वेक्षणों में भाग लिया। बिजनेस स्टैंडर्ड्स इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग में, आईआईएम अमृतसर ने अपनी भागीदारी के प्रथम वर्ष में 33वां स्थान प्राप्त किया हे। इंडिया के आज के रैंकिंग में संस्थान ने32 वां स्थान प्राप्त किया हे। उल्लेखनीय है कि पहली पीढ़ी के आईआईएम और दूसरी पीढ़ी के आईआईएम के अलावा निजी बी-स्कूलों ने भी सर्वेक्षण में भाग लिया। जिस एनआईआरएफ रैंकिंग में संस्थान ने हिस्सा लिया हे उसकी प्रतीक्षा है क्योंकि कोविड 19-के कारण रैंकिंग में देरी हो रही है।

<u>शैक्षणिक गटबंधन</u> : संस्थान ने इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) और इंस्टीट्यूट ऑफ यूएसए (सीएफए) के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। आईसीएसआई के

साथ एमओयू ने एमबीए-05 बैच की शुरवात करने के लिए आईआईएम अमृतसर के छात्रों के लिए आईसीएसआई सिग्नेचर अवार्ड की शुरुवात की। इसके साथ ही, समझौता ज्ञापन आईआईएम अमृतसर के संकाय और छात्रों को आईसीएसआई के पुस्तकालय संसाधनों और सूचनात्मक संसाधनों का उपयोग करने की अनुमति देता है और आईसीएसआई के सहयोग से प्रशिक्षण में संलग्न होने के लिए आईआईएम अमृतसर सुविधाओं का भी उपयोग करते है। संस्थान संयुक्त राज्य अमेरिका के सीएफए संस्थान के साथ आधिकारिक विश्वविद्यालय गठबंधन के भागीदार बन गये। गठबंधन संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीएफए प्रमाणन कार्यक्रम के साथ अपने वित्त पाठ्यक्रम को मजबूत और संरेखित करने में प्रोसाहित करते है। इसके अलावा, एमबीए-06 बैच के तीन छात्रों को सीएफए संस्थान परीक्षा के लिए परीक्षा शुल्क माफी के रूप में छात्रवृत्ति दी गई हे।

<u>आंतरराष्ट्रीय गटबंधन</u> : हमारी संस्थाने छात्रों को केज बिजनेस स्कूल के साथ संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए फ्रांस के केज बिजनेस स्कूल के साथ भी चर्चा शुरू की है, बशर्ते छात्र दोनों संस्थानों की प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा करते हे। अंतिम मसौदा समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया जाता है और केज बिजनेस स्कूल द्वारा अनुमोदित होने के बाद उस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाता हे।

पुस्तकालय

वित्तीय वर्ष के दौरान, संस्थान ने पुस्तकालय और अनुसंधान समिति की सिफारिशों पर, छात्र अध्ययन एवं शैक्षणिक अनुसंधान हेतु आवश्यक डेटाबेस को भी मजबूत किया गया। संस्थान ने सभी वर्तमान सदस्यता लिए ई-संसाधनों की सदस्यता जारी रखी और संग्रह में 466 पत्रिकाओं को बैकफाइल साथ जोड़ा है। निम्नलिखित तालिका हमारे छात्रों और संकाय के लिए उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों की सूची प्रदान करती है।

क्र.सं .	डेटाबेस / पत्रिकाओं का नाम	क्र.सं .	डेटाबेस / पत्रिकाओं का नाम
1	एबीआई इन्फॉर्म कंप्लीट	21	इन्फोर्म्स
2	ब्लूमबर्ग	22	इंटरनेशनल न्यूयॉर्क टाइम्स
3	बिज़नेस स्टैंडर्ड न्यूज़पेपर	23	जेयेसटीओआर
4	कैपिटालाइन	24	लेक्सिसनेक्सिस अकैडमिक यूनिवर्स
5	सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक	25	मार्केटलाइन एडवांटेज
6	सीएमआईई प्रोवेस डीएक्स	26	नेचर
7	सीएमआईई प्रोवेस आईक्यु	27	प्रेस रीडर (न्यूज़पेपर डाइरैक्ट)
8	कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोन्सिबिलिटी	28	प्रोक्वेस्ट निबंध और थीसिस
9	क्रिसिल रिसर्च	29	सायकिआर्टिकल्स
10	एब्रेरी अकैडमिक कंप्लीट	30	क्वशनप्रो
11	एब्स्को बिज़नेस सोर्स अल्टिमेट	31	सेज
12	इकनॉमिक अँड पॉलिटिकल वीकली	32	स्कोपस
13	एल्सेवियर (साइंस डायरेक्ट)	33	साउथ एशिया अर्चिव (एसएए)
14	एमराल्ड	34	स्प्रिंगर
15	ईपीडब्ल्यूआरएफ टाइम सिरीज़	35	स्टेटिस्टा डेटाबेस
16	ईटीप्राइम	36	टेलर एंड फ्रांसिस
17	यूरोमॉनिटर पासपोर्ट	37	दी एकोनोमिस्ट
18	फानांशीयल टाइम्स (एफटी .कॉम)	38	दी केन
19	आईबीआई (इंडिया बिज़नेस इनसाईट)	39	वॉल स्ट्रीट जर्नल
20	इंडियन बोर्ड डेटाबेस	40	विले
41	वर्ल्ड ई-बुक लाइब्रेरी (डब्लूईएल)		

ई-पत्रिका संग्रह

क्र.सं .	पत्रिकाओं का नाम
1	एल्सेवियर (सायन्स डायरेक्ट) जर्नल्स (158 शीर्षक) आर्काईव्ह
2	एमराल्ड जर्नल्स (177 शीर्षक) आर्काईव्ह
3	इन्फोर्म्स जर्नल्स (9 शीर्षक) आर्काईव्ह
4	स्प्रिंगर जर्नल्स (54 शीर्षक) आर्काईव्ह
5	टेलर अँड फ्रांसिस जर्नल्स (96 शीर्षक) आर्काईव्ह
6	विली जर्नल (77 शीर्षक) आर्काईव्ह

छात्र उपलब्धियां

1) शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान, आईआईएम अमृतसर के हमारे छात्रों ने कॉरपोरेट और अन्य बी-स्कूलों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की। इस वर्ष के दौरान आईआईएम अमृतसर के छात्रों ने 47 पुरस्कार जीते हैं, जो एमबीए 05 और 06 के संयुक्त छात्र निकाय का 13% है। सभी छात्र अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों और आईआईएम अमृतसर समुदाय को गौरवान्वित करने के लिए विशेष उल्लेख के पात्र हैं।

कुछ प्रमुख उपलब्धियां हैं:

- जशवंत नायडू (एमबीए-05, द्वितीय वर्ष छात्र) इन्होने राष्ट्रीय युवा चिह्न पुरस्कार 2020 जीता।
- जशवंत नायडू (एमबीए-05, द्वितीय वर्ष छात्र) इन्होने एचसीएल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एचसीएल अल्टीमेट मार्केटर चैलेंज में पहला स्थान प्राप्त किया।
- पलाश पांसे (एमबीए-05, द्वितीय वर्ष छात्र) इन्होने शाओमि (Xiaomi) द्वारा आयोजित एमआई समिट 2.0 में नेशनल वाइल्डकार्ड राउंड निणार्यक प्रतियोगी (फाइनलिस्ट) थे।
- रोहित सिंह सोलंकी और ऋषभ मिश्रा (एमबीए-06, प्रथम वर्ष छात्र) इन्होने शाओमि (Xiaomi) द्वारा आयोजित MI समिट 2.0 में 1 लाख की पुरस्कार राशि के साथ नेशनल कैंपस राउंड जीता।
- प्रतीक सांखे, जतिन शर्मा और राहुल जी (एमबीए-06, प्रथम वर्ष छात्र) इन्होने एसडीजी और एक्सप्रेसो, पुर्तगाल द्वारा आयोजित ग्लोबल मैनेजमेंट चैलेंज में नेशनल फाइनलिस्ट का स्थान हासिल किया।
- आईआईएम नागपुर द्वारा आयोजित कंसलटेंट सुप्रीमो में कनिका भाटिया, शुभ दुबे और लिनेट फिलिप (एमबीए-06, प्रथम वर्ष छात्र) इन्होने तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- सुभब्रत दास, सर्वेश कश्यप, प्रतीक सांखे और आर्यन कुमार (एमबीए-06, प्रथम वर्ष छात्र) इन्होने सिम्बायोसिस द्वारा आयोजित केस स्टडी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- टाटा क्रूसिबल के लिए 18 क्लस्टर फाइनलिस्टों में टाटा क्रूसिबल, अरविंद एआर शामिल थे

एमबीए 06 बैच की उपलब्धियां

छात्र का नाम	**प्रतियोगिता का नाम**	**पद**	**राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय**
अमित चांदेकर	एंटंगल्ड	3 रा	राष्ट्रीय
अंकित गोयल	एंटंगल्ड	3 रा	राष्ट्रीय
कुशल विजय	एंटंगल्ड	3 रा	राष्ट्रीय

शुभम नगर	शेहला मसूद निबंध लेखन प्रतियोगिता	3 रा	राष्ट्रीय
प्रतीक सांखे	मार्कोविड - महामारी के समय में विपणन	3 रा	राष्ट्रीय
शुभम गोयल	मार्कोविड - महामारी के समय में विपणन	3 रा	राष्ट्रीय
यक्षा प्रभाकर	मार्कोविड - महामारी के समय में विपणन	3 रा	राष्ट्रीय
शिरीष तिवारी	इंटेन्स इंटेललेक्ट आर्टिकल राइटिंग प्रतियोगिता	3 रा	राष्ट्रीय
शुभम गोयल	सेसी पीईसी केस स्टडी प्रतियोगिता	1 ला	राष्ट्रीय
प्रतीक सांखे	सेसी पीईसी केस स्टडी प्रतियोगिता	1 ला	राष्ट्रीय
सर्वेश कश्यप	सेसी पीईसी केस स्टडी प्रतियोगिता	1 ला	राष्ट्रीय
रोहित सिंह सोलंकी	एमआई शिखर सम्मेलन 2.0	1 ला	राष्ट्रीय
ऋषभ मिश्रा	एमआई शिखर सम्मेलन 2.0	1 ला	राष्ट्रीय
निहारिका घोष	अल्टीमेट स्टार्ट अप चैलेंज	3 रा	राष्ट्रीय
ऋषभ मिश्रा	अल्टीमेट स्टार्ट अप चैलेंज	3 रा	राष्ट्रीय
रोहित सिंह सोलंकी	अल्टीमेट स्टार्ट अप चैलेंज	3 रा	राष्ट्रीय
रोहित सिंह सोलंकी	फीनिक्स ग्लोबल	1 ला	कॉलेज
अनुभव कुमार चौधरी	एसबीएम, एनएमआईएमएस. के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, नेपथ्य द्वारा शॉर्टकट'20	2 रा	राष्ट्रीय
जय मसालावाला	लॉक स्टॉक ट्रेड	2 रा	कॉलेज
हर्षित गर्ग	लॉक स्टॉक ट्रेड	2 रा	कॉलेज
दीपाली अनिलकुमार पवार	ऐस-ए-केस	2 रा	राष्ट्रीय
मुस्कान गर्ग	ऐस-ए-केस	2 रा	राष्ट्रीय
मुस्कान गर्ग	एनएमआईएमएस द्वारा शॉर्टकट'20	2 रा	राष्ट्रीय
मुस्कान गर्ग	वाग्मिता	1 ला	कॉलेज
सेफ़ाली रानी	थाह 1.0 केस स्टडी प्रतियोगिता	1 ला	राष्ट्रीय
सेफ़ाली रानी	एनएमआईएमएस द्वारा शॉर्टकट'20	2 रा	राष्ट्रीय

सुभब्रत दास	केसथेटिक्स -केस स्टडी प्रतियोगिता (सिंबोयसीस)	2 रा	राष्ट्रीय
सर्वेश कश्यप	केसथेटिक्स -केस स्टडी प्रतियोगिता (सिंबोयसीस)	2 रा	राष्ट्रीय
प्रतीक सांखे	केसथेटिक्स -केस स्टडी प्रतियोगिता (सिंबोयसीस)	2 रा	राष्ट्रीय
सृष्टि मेहरा	एस-ए-केस	2 रा	राष्ट्रीय
अजय नारायण खंडगले	टाल टेल्स प्रतियोगिता वाणी आईआईएम - अमृतसर	1 ला	कॉलेज
कनिका भाटिया	कोन्सुलेंट सुप्रीमो – आईआईएम नागपुर	3 रा	राष्ट्रीय
शुभ दुबे	कोन्सुलेंट सुप्रीमो – आईआईएम नागपुर	3 रा	राष्ट्रीय
लिनेट फिलिप	कोन्सुलेंट सुप्रीमो – आईआईएम नागपुर	3 रा	राष्ट्रीय
प्रतीक सांखे	एस-ए-केस	2 रा	राष्ट्रीय
प्रतीक सांखे	एनएमआईएमएस द्वारा शॉर्टकट'20	2 रा	राष्ट्रीय
प्रतीक सांखे	फॅथम 1.0 केस स्टडी प्रतियोगिता	1 ला	राष्ट्रीय
यशिता प्रुथि	फीनिक्स ग्लोबल	2 रा	कॉलेज
केशव कृष्ण	एमआई समिट 2.0	2 रा	कॉलेज
आर्यन कुमार	केसथेटिक्स -केस स्टडी प्रतियोगिता (सिंबोयसीस)	2 रा	राष्ट्रीय

पीजीपी 05 बैच की उपलब्धियां

छात्र का नाम	**प्रतियोगिता का नाम**	**पद**	**राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय**	**क्षेत्र**
जसवंत नायडू	एचसीएल अल्टीमेट मार्केटर चैलेंज- एचसीएल यूनिवर्सिटी	1 ला	राष्ट्रीय	व्यापार
	संचालन सिमुलेशन	1 ला	राष्ट्रीय	व्यापार

पलाश पांसे	नेशनल वाइल्डकार्ड राउंड फाइनलिस्ट, एमआई-समिट2.0 - कैंपस राउंड	उपविजेता	राष्ट्रीय	व्यापार
शुभम श्रीवास्तव	नेशनल वाइल्डकार्ड राउंड फाइनलिस्ट, एमआई-समिट 2.0 - कैंपस राउंड	उपविजेता	राष्ट्रीय	व्यापार
महरोज़ सोनिक	राष्ट्रीय एमआई-शिखर सम्मेलन 2.0 - कैंपस राउंड	1 ला	राष्ट्रीय	व्यापार
अरविंद सिंह बख्शी	राष्ट्रीय एमआई-शिखर सम्मेलन 2.0 - कैंपस राउंड	1 ला	राष्ट्रीय	व्यापार
सेबिन जॉन माइकल	टाटा क्रूसिबल क्विज -क्षेत्रीय	उपविजेता	राष्ट्रीय	व्यापार

आईआईएम अमृतसर और आईसीएसआई स्वर्ण पदक के विजेता:

प्रत्येक वर्ष , संस्थान दो स्वर्ण पदक प्रदान करता है, एक शैक्षिक प्रदर्शन के लिए और एक सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए था। वर्ष 2020-21 से शुरू होकर, आईसीएसआई सिग्नेचर अवार्ड संस्थान और आईसीएसआई के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के परिणामस्वरूप पेश किया गया था। एमबीए-04 बैच और एमबीए-05 बैच के निम्नलिखित छात्रों के लिए हमारी हार्दिक बधाई है, जिन्होंने योग्य रूप से पुरस्कार जीते।

पदक	**एमबीए-04 बैच**	**एमबीए-05 बैच**
शैक्षिक प्रदर्शन	श्री केशव गुप्ता	श्री पुनीत कक्कड़
सामयिक प्रदर्शन	श्री मैथ्यू के.जे.	श्री अरविंद सिंह बख्शी
आईसीएसआई सिग्नेचर अवार्ड		योग्यताके अनुसार श्री पुनीत कक्कड (प्रथम स्थान) श्री आदित्य अरोड़ा (द्वितीय स्थान) श्री राठौड़ गणेश सूर्यकांत (तृतीय स्थान)

स्वर्ण पदक विजेता

पुनीत कक्कड़

उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन

अरविंद सिंह बख्शी

सर्वश्रेष्ठ सामयिक प्रदर्शन

आईसीएसआई स्वर्ण पदक विजेता

पुनीत कक्कड़

रैंक 1

अदित्या अरोड़ा

रैंक 2

राठोड गणेश सूर्यकांत

रैंक 3

कक्षा से अतिरिक्त: छात्र क्लब एवं गतिविधियां

आईआईएम अमृतसर में छात्रों की गतिविधियां विभिन्न छात्र समितियों और छात्र हित समूहों द्वारा संचालित की जाती हैं। छात्रों ने शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में वार्षिक उत्सव, सम्मेलन, कार्यशालाओं और ई-समिट आदि का आयोजन किया।

समितियों द्वारा गतिविधियां :

उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ

क) उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ द्वारा प्रमुख प्रबंध क्षेत्र जैसे की मानव संसाधन, विपणन, वित्त, संचालन और कार्यनीति से संबंधित **तीन प्रबंध सम्मेलन** आयोजित किए गए।

- **युक्ति'20: 8 और 9 अगस्त 2020**: उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ ने आभासी माध्यम में अपने वार्षिक मानव संसाधन सम्मेलन: युक्ति'20 2020 के पांचवें संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

  इस वर्ष प्रथम पैनल चर्चा का विषय था ' भविष्य के कार्यस्थल को पथ :प्रदर्शन-भविष्य की नौकरियों के लिए आवश्यक योग्यताएं ' और दूसरे पैनल के लिए चर्चा जारी थी 'कर्मचारियों का हित :चुनौतीपूर्ण समय में एक आवश्यकता'. विषय स्पष्ट शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावों के साथ महामारी के भावनात्मक प्रभाव का आकलन करने पर केंद्रित था।

  दोनों विषयों के पैनल के सदस्य के रूप मे सिएट स्पेशलिटी टायर्स, बार्कलेज, पेप्सिको, टाटा स्टील, क्रॉम्पटन ग्रीव्स पावर, आईटीसी इन्फोटेक, सिग्नेक्स डाटामैटिक्स, सदरलैंड और सुपर डेली जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के मानव संसाधन प्रमुख थे। पैनल के सदस्यों ने अपने उद्योग के अनुभवों से अंतर्दृष्टि साझा की और विषयों पर अपने विचार रखे।

  वक्तागण:

  पैनल1 :

  श्री अभिनव श्रीवास्तव, मानव संसाधन प्रमुख, सिएट स्पेशलिटी टायर्स लिमिटेड

सुश्री मीनालोचानी कुमार, वैश्विक प्रमुख, लीडरशिप डेवलपमेंट, सदरलैंड

श्री नागा सिद्धार्थ, प्रमुख, पीपल एंड कल्चर, सुपर डेली

डॉ अंकिता सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष्य एवं वैश्विक प्रमुख, मानव संसाधन, सिग्नेक्स डाटामैटिक्स

श्री किशोर एस, प्रतिभा अधिग्रहण के प्रमुख, पेट्रोकेमिकल्स ग्रुप ऑफ ए.एम .इंटरनेशनल

पैनल 2:

श्री अरुण कृष्णमूर्ति, निदेशक, प्रमुख एचआर इंडिया के प्रमुख, बार्कलेज

सुश्री भव्या मिश्रा, निदेशक, मानव संसाधन, पेप्सिको

सुश्री दीपा वर्मा, अध्यक्ष, एचआरएम नॉलेज, टाटा स्टील

सुश्री सुचिस्मिता बर्मन, सीएचआरओ, आईटीसी इन्फोटेक इंडिया लिमिटेड

श्री संतोष फूलपागर, प्रमुख, प्रतिभा अधिग्रहण एवं विकास, क्रॉम्पटन ग्रीव्स पावर

परिप्रेक्ष्य'20: 3 और 4अक्टूबर, 2020: उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ ने अपने वार्षिक वित्त और विपणन सम्मेलन: परिप्रेक्ष्य'20 के चौथे संस्करण का आभासी माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजन किया। वित्त पैनल चर्चा के लिए विषय 'उद्यम पूंजी गतिविधियों का भविष्य' था, और विपणन पैनल चर्चा के लिए 'नए सामान्य में विपणन' था। वित्त पैनल में बुक माय शो , एक्स्फ़ीनीटी वैंचर पार्टनर्स एलएलपी, meetingsandoffices.com, 100X.VC जैसे संगठनों के उद्यम पूंजी के विशेषज्ञ शामिल थे। हेलियन वेंचर्स और मल्टी एक्ट व्यापार और निवेश। पैनल सदस्यों ने भारत में वेंचर कैपिटल उद्योग के विकास, उद्यम पूंजी (वीसी) और निजी इक्विटी (पीई) के बीच अंतर, सिलिकॉन वैली मॉडल बनाम मुंबई/बैंगलोर मॉडल और उन गुणात्मक कारकों पर चर्चा जिनका वीसी स्टार्ट-अप को निधिकरण करने से पहले मूल्यांकन करता है, उस पर चर्चा हुई।

विपणन पैनल में आईटीसी लिमिटेड, पेपाल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मोर रिटेल लिमिटेड और सिनजीन इंटरनेशनल लिमिटेड जैसे संगठनों के सीएमओ और विपनण प्रमुख सहभागी थे। पैनलिस्टों ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे महामारी के दौरान उपभोक्ता

व्यवहार और प्राथमिकताएं बदल गईं और कैसे विपणक ने नई मार्केटिंग कार्यनीतियों के साथ आकर और पिछले वाले को साकार करके इसका जवाब दिया।

वक्तागण:

वित्त पैनल:

श्री अमिताभ सिन्हा, सह-संस्थापक और सीएसओ, meetingsandoffices.com

श्री चिन्नू सेंथिलकुमार, जनरल पार्टनर, एक्सफिनिटी वेंचर्स पार्टनर्स एलएलपी

श्री मितेश शाह, सीएफओ, बुक माय शो एवं सह-संस्थापक, इन्फ्लेक्शन पॉइंट वेंचर्स

श्री निनाद करपे, पार्टनर, 100X.VC

श्री संजय चतुर्वेदी, सीएफओ हेलियन वेंचर्स, द फंडामेंटम पार्टनरशिप

श्री उम्मेद कुडलकर, निदेशक, मल्टी-एक्ट ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड

विपणन पैनल:

श्री ऐश्वर्या प्रताप सिंह, विपणन प्रमुख, स्नैक्स, नूडल्स और पास्ता, आईटीसी लिमिटेड

श्री हैरी जोस, विपणन प्रमुख, सिनजीन इंटरनेशनल लिमिटेड

श्री लवदीप वालिया, व्हीपी और सीएमओ, मोर रिटेल लिमिटेड

श्री नारायण टी वी, विपणन प्रमुख, पेपाल इंडिया

श्री राकेश मिश्री, निदेशक - विपणन, एचपीसीएल

- **संक्षेत्र - 9 और 10 जनवरी, 2021 :** उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ ने अपने वार्षिक संचालन और कार्यनीति सम्मेलन: संक्षेत्र के चौथे संस्करण का आभासी माध्यम से सफलतापूर्वक आयोजन किया।

  संचालन पैनल चर्चा का विषय था 'महामारी के बाद की दुनिया के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को फिर से तयार करना', और कार्यनीति पैनल चर्चा का विषय 'बदलते सामाजिक आर्थिक आउटलुक के बीच कार्यनीति और परामर्श विकसित करना' यह था।

  संचालन पैनल में केलॉग कंपनी, बटेल इंटरनेशनल और रेमंड अपैरल लिमिटेड जैसे संगठनों के आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के क्षेत्र के विशेषज्ञ सहभागी थे। पैनलिस्टों ने आपूर्ति श्रृंखला की

वैश्विक मापनीयता सुनिश्चित करने के लिए भवन-निर्माण से आईटी-सक्षम संगठनों में जाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विभिन्न उद्योगों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर महामारी के प्रभाव और कैसे स्वचालन और डिजिटलीकरण एक संगठन की आपूर्ति श्रृंखला को बदल सकते हैं, इस पर चर्चा की।

कार्यनीति पैनल में आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एक्सिस बैंक और रिलायंस जियो जैसे सम्मानित संगठनों के कार्यनीति और परामर्श में दीर्घानुभवी व्यक्तिव सहभागी थे। पैनलिस्टों ने कार्यनीति और परामर्श के विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा की, जिसमें समाधानों का शीघ्रता से परीक्षण करने के लिए प्रतिरूपकता का महत्व भी शामिल है।

वक्तागण:

संचालन पैनल:

श्री सौरभ लाल, निदेशक आपूर्ति श्रृंखला, भारत और दक्षिण एशिया, केलॉग कंपनी

श्री कुणाल गुप्ता, निदेशक-आपूर्ति श्रृंखला, बटील इंटरनेशनल

श्री सुरेश चुघ, प्रमुख, वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक्स, रेमंड अपैरल लिमिटेड

श्री मुरुगन पुगलेंथी, क्षमता सामंजस्य एवं नवाचार निदेशक, वैश्विक योजना उत्कृष्टता, जॉनसन एंड जॉनसन।) किसी आपात स्थिति के कारण कार्यक्रम में सहभागी नहीं हो सके,

श्री नोज़द दस्तूर, निदेशक -हवाई अड्डा संचालन और ग्राहक सेवा, इंडिगो, इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड(।) किसी आपात स्थिति के कारण कार्यक्रम में सहभागी नहीं हो सके

कार्यनीति पैनल:

श्री अनिंद्य एस दत्ता, प्रमुख, कार्यनीति और संचालन, रिलायंस जियो

श्री बिस्वजीत भट्टाचार्य, पार्टनर और ऑटोमोटिव उद्योग प्रमुख, आईबीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

श्री नवोच मोहनायक, भविष्यवादी और कार्यनीति परामर्श अभ्यास प्रमुख, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन

श्री सुप्रियो सिन्हा, राष्ट्रीय प्रमुख-कार्यनीति एवं नई पहल, एक्सिस बैंक

श्री आदित्य मलिक, निदेशक, कार्यनीति और, पीडब्ल्यूसी नेटवर्क का भाग

क) विशेषता: भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर के उद्योग संपर्क प्रकोष्ठ की विशेष अतिथि व्याख्यान शृंखला ने छह अतिथियों की मेजबानी की। सत्रों का विवरण नीचे दिया गया है:

	वक्ता	**दिनांक**	**विषय**
1	**श्री सिद्धार्थ देशमुख,** प्रमुख, मॉडर्न ट्रेड एंड जनरल ट्रेड, वनप्लस	13 जुन 2020	हैंडसेट उद्योग में वितरण
2	**श्री डेविड ज़क्कमो,** उपाध्यक्ष विश्लेषकी, स्विगी	04 जुलाई 2020	आपकी बिरयानी की डिजिटल यात्रा
3	**श्री आदित्य पाल सिंह**, प्रमुख, प्रतिभा सम्पादन, इंफॉर्मेटिका **श्री विश्वनाथ राजू,** वैश्विक प्रमुख हेड प्रतिभा सम्पादन, एक्सिसकेड्स	24 अगस्त 2020	मानव संसाधन क्षेत्र मे विभिन्न कार्यों ओर विभिन्न उद्योगों द्वारा अपनाई जाने चाली सर्वोत्तम प्रथाओं का अवलोकन
4	**श्री प्रियांक आहूजा**, उत्पाद प्रबंधक, एक्सेंचर	11 नवंबर 2020	उत्पाद प्रबंधक की भूमिका के लिए तैयारी कैसे करें
5	**श्री अमित त्रिपाठी,** सीईओ, जियोलाइफ एग्रीटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	17 नवंबर 2020	महामारी के तहत भारतीय कृषि का आउटलुक
6	**सुश्री नेहा गुप्ता,** निदेशक, विलय और अधिग्रहण, डेलॉइट	16 दिसंबर 2020	एफएमसीजी उद्योग में खुदरा मापन

<u>सांस्कृतिक समिती</u>

क- महाविद्यालय मे छात्रों को शामिल करने ओर उन्हे अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने हेतु आगाज 4.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

ख- विनायक'20 का आयोजन गणेश चतुर्थी के शुभ दिन पर किया गया था ओर पिक्शनरी एंड स्केवेंजर हंट जैसे प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था।

ग- 5 सितंबर 2020 को शिक्षक दिवस मनाया गया, जिसमे आईआईएम अमृतसर के संकायों ने एक कार्यक्रम में भाग लिया, जहां उन्होंने 'नेवर हैव एवर' यह खेल खेला।

घ- एमबीए-06 के लिए पहली दिवाली परिसर मे मनाई गयी 'ट्रेजर हंट' जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

ङ- किर्ति सगथिया के संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया और उन्होने अपने प्रसिद्ध गीत जैसे तुम तक, करले जुगाड़ करले, स्विटी स्विटी आदि गाणे गाए।

च- गणतंत्र दिन को दो कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। एमबीए-06 बैच के सभागार में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम जहां बैच के छात्रों ने नृत्य, गीत, कविता और अन्य कलाओं का प्रदर्शन किया। बैच ने कार्यक्रम के अंत में मंच पर 06 की फ्लैश मॉब का एक टीज़र भी प्रदर्शित किया। अटारी-वाघा सीमा पर फ्लैश मॉब भी गणतंत्र दिवस की बीटिंग रिट्रीट परेड के लिए निर्धारित था।

छ- ट्रिविया टेल्स एक फिल्म प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम था, जो आरुण्या 5.0 के भाग के रूप में आयोजित किया गया था। मजेदार , संवादात्मक कार्यक्रम में देश भर के प्रतिभागियों ने डी2सी प्लेटफॉर्म पर सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के उत्तर दिए।

ज- प्रो नाइट्स का आयोजन आरुण्या 5.0के एक भाग के रूप में किया गया था जिसमे स्पंक, नकाश अजीज संगीत कार्यक्रम ओर अभिषेक उपमन्यु के साथ कॉमेडी नाइट्स जैसे कार्यक्रम आयोजीत किए गए थे।

<u>खेल समिती</u>

क- आईआईएम अमृतसर के छात्रों की अपनी प्रतिरूप आईपीएल नीलामी का प्रारंभ 1 अगस्त 2020 को किया। यह दो दिनों तक चली और फ्रेंचाइजी टीमों के लिए एक रोमांचक संभावना बन गई। भारतीय एवं विदेशी खिलाड़ियों दोनों को विक्रय किया गया क्योंकि टीमों ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 2020 के आईपीएल प्लेयर ऑक्शन में जमकर बोली लगाई।

ख- डबल्यूईनिग्स -, आईआईएम अमृतसर की खेल समिती द्वारा अपने छात्रों के लिए पहली आईपीएल फैंटेसी लीग का आयोजन किया गया था। यह 2 महीने का लंबी खेल प्रतियोगिता थी जो 19 सितंबर से शुरू हुए आईपीएल के साथ-साथ 10 नवंबर तक चली।

ग- 2 अक्टूबर 2020 को, खेल समिती ने आईआईएम अमृतसर के छात्रों के लिए एक ऑनलाइन खेल प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम" ऑफ द फील्ड "का आयोजन किया। प्रश्नोत्तरी में 40 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल थे, टेनिस, बैडमिंटन, कबड्डी, साहसिक खेल शमिल थे।

घ- कृतांश 2के20 आईआईएम अमृतसर का वार्षिक खेल हे। खेल प्रतियोगिता में चार टीमों द्वारा प्रतिस्पर्धा की जाती है जिसके लिए चयन प्रक्रिया के माध्यम से प्रबंधकों का चयन किया जाता है। प्रतिस्पर्धा की शुरुआत खिलाड़ी नीलामी से हुई जहां सभी छात्रों को चार टीमों में चुना गये । यह आयोजन जनवरी से मार्च 2020 तक चला और इसमें विभिन्न भीतरी और घर के बाहर के खेल का आयोजन शामिल किया थे।

<u>छात्र परिषद</u>

अध्यक्ष, छात्र मामलों के मार्गदर्शन में, छात्र परिषद ने विभिन्न क्लबों और समितियों की मदद से एमएचआरडी द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

रुचि समूहों की गतिविधियां

ओपेराज़ील: संचालन प्रबंध क्लब

क- टिम ओपेराज़ील ने एमबीए 06 बैच के लिए सफलतापूर्वक परिचय कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें संस्थान में क्लब के कार्यों और भूमिका के साथ-साथ क्लब द्वारा पूरे वर्ष आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों से अवगत कराया गया था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक मनोरंजक और परस्पर संवादात्मक वीडियो प्रश्नोत्तरी,ओर ऑप्स -प्रश्नोत्तरी बीट था।

ख- उद्योग के दिग्गजों के अनुभव से सीखने को बढ़ावा देने हेतु एक बातचीत कार्यक्रम, ऑप्स-कनेक्ट का सफलतापूर्वक आयोजन ओपेराज़ील ने किया। इस वर्ष के पहले अतिथि श्री विकास पटेल थे, जो एनआईटीआईई के पूर्व छात्र थे, जो वर्तमान में डेलॉइट के साथ एक कार्यनीति एवं व्यवसाय डिजाइन प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। श्री विकास ने उद्योगों के क्षेत्र-वार विश्लेषण के साथ एक व्यापक प्रस्तुति दी, जिसमें क्षेत्रों द्वारा अपेक्षित दर, कदमों की वसूली, और ऐसी कई अंतर्दृष्टि शामिल हैं।

ग- ऑप्स - प्रश्नोत्तरी श्रृंखला: वार्षिक प्रश्नोत्तरी श्रृंखला के तीन दौर, ऑप्स-प्रश्नोत्तरी नवंबर से फरवरी तक आयोजित किए गए थे। प्रश्नोत्तरी में प्रश्न बुनियादी संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन अवधारणाओं के साथ-साथ वर्तमान रुझानों और डोमेन में समाचार पर प्रतिभागी के ज्ञान का परीक्षण करने के बारे में थे।

घ- ऑप्स – विषयगत: संक्षेत्र के चौथे संस्करण के समय के दौरान- वार्षिक संचालन और रणनीति कॉन्क्लेव, ओपेराज़ील ने ऑप्स का आयोजन किया- विषयगत, कॉन्क्लेव के संचालन विषय पर एक चर्चा और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम- " महामारी के बाद की दुनिया के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को फिर से बनाना"।

ङ- ऑप्स – समाधान: ओपेराजींल, आरुण्य 5.0 के भाग रूप में" ऑप्स-समाधान "आयोजित किया गया - अंतिम केस स्टडी प्रतियोगिता, जहां बी-स्कूलों के प्रतिभागियों ने अपनी समस्या

सुलझाने के कौशल को लागू किया और देश के सबसे प्रतिभाशाली दिमागों के साथ प्रतिस्पर्धा की।

च- ऑप्स – सिमुलेशन: ऑप्स-सिमुलेशन में दो राउंड आयोजित किया गया था, जिसमें एक ऑनलाइन क्विज़ और एक सिमुलेशन खेल– टीएल 2 पीएम शामिल था। टीएल 2 पीएम में, प्रतिभागियों ने एक परियोजना प्रबंधक की भूमिका का अनुभव किया और लागत और समय का प्रबंधन करते हुए परियोजनाओं को पूरा किया।

<u>स्ट्रैटेजम</u>: कार्यनीति एवं परामर्श क्लब

क- **कंसल्टायर 4.0 का शुभारंभ (दिसम्बर 2020):** कंसल्टायर 1.0, 2.0 और 3.0 में देश भर के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालयो (आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम इंदौर, आईआईएम शिलांग, आईआईटी के, आदि) के छात्रों सहभागी है। युक्ति - आईआईएम अमृतसर में स्ट्रैटेजी पर परामर्श क्लब ने 4 दिसंबर 2020 को अपनी पत्रिका" कंसल्टेयर 4.0" का चौथा संस्करण प्रकाशित किया। उद्योग के विशेषज्ञों की अंतर्दृष्टि के साथ, शीर्ष 3 लेख पत्रिका में प्रकाशित किए गए थे।

ख- **स्ट्राटा– मास्टर स्तर 1 एवं 2 (24 नवंबर 2020 और 2 फरवरी 2021):** स्ट्रैटेजम विशेष रूप से आईआईएम अमृतसर के छात्रों के लिए प्रश्नोतरी, क्रॉसवर्ड और गेसेटिमेट प्रतियोगिता के लिए कार्यनीति और परामर्श ज्ञान को लागू करने का दो सप्ताह का एक रोमांचक कार्यक्रम था।

ग- **वाग्मिता शृंखला**: हमारी वाग्मिता श्रृंखला को जारी रखते हुए, स्ट्रैटेजम ने "कार्यनीति और परामर्श में सफल करियर बनाना" पर एक सत्र का सफलतापूर्वक संचालन किया, जिसे श्री संदीप दास द्वारा वक्तृत्व किया गया। श्री संदीप दास यह प्रमुख व्यावसायिक दैनिकों और पत्रिकाओं जैसे भाग्य, इकोनॉमिक टाइम्स, मिंट, और बिजनेस वर्ल्ड के साथ एक लोकप्रिय स्तंभ-लेखक एवं मार्स रिगली, पीडब्ल्यूसी, एक्सेंचर स्ट्रटेजी, मैरिको और बीसीजी जैसी कंपनियों के साथ उद्योग में व्यापक अनुभव का परामर्श रहे है। सत्र ने एक परामर्शदाता के जीवन की बारीकियों को वक्तव्य किया जहां श्री दास ने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे शीघ्र

सोच जैसा एक महत्वपूर्ण विचार एक निचले दर्जे का कौशल माना जाता है। अपने व्यावसायिक अनुभव के माध्यम से, उन्होंने एक अनुकूली दृष्टिकोण साझा किया जिससे उन्हें विभिन्न समस्याओं से निपटने में मदद मिली।

घ- **गेसीमेट श्रृंखला** - किसी भी परामर्श या विश्लेषण साक्षात्कार में अनुमान एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं। अनुमान में सही उत्तर प्राप्त करने की अपेक्षा दृष्टिकोण पर अधिक बल दिया जाता है। क्लब ने एक सत्र आयोजित किया कि किस तरह से अनुमान लगाने वालों से संपर्क किया जाय। छात्रों को संरचित तरीके से अनुमान लगाने के लिए टॉप-डाउन और बॉटम-अप फ्रेमवर्क प्रदान किए गए थे।

ङ- **स्ट्रैटबेटिंग (जनवरी 2021- फ़रवरी 2021)** - स्ट्रैटेजम ने आईआईएम अमृतसर के इंट्रा-कॉलेज खेल उत्सव के, कृतांश 2020 की अवधि के लिए स्ट्रैटेबेटिंग, स्ट्रैटाबेटिंग 3.0- एक वर्चुअल सामरिक अनुमान प्रतिस्पर्धा, संघ खेल कमेटी में अपने तीसरे संस्करण की शुरुवात की। इस आयोजन में, जो प्रतिभागी किसी खेल में विजेताओं और अन्य घटनाओं की सफलतापूर्वक भविष्यवाणी करते हैं, उन्हें पुरस्कृत किया जाता है।

च- आरुण्या 5.0 के एक भाग रूप में - आईआईएम अमृतसर का वार्षिक सांस्कृतिक, खेल और प्रबंध उत्सव स्ट्रैटेजम ने डी2सी प्लेटफॉर्म पर दो आंतर महाविद्यालयीन कार्यक्रम आयोजित किए।

<u>एबीसी: एनालिटिक्स एवं बिजनेस कंप्यूटिंग क्लब</u>

क- **डब्ल्यू-इनिंग्स:** आईपीएल 2020 पर आधारित आंतर महाविद्यालयीन फैंटेसी लीग है। साप्ताहिक विजेताओं को टी-शर्ट प्रदान कि गई और छठे से 11वें पुरस्कार के विजेताओं को प्रत्येक को ₹500 दिए गए।

ख- **क्यूबिट अतिथि व्याख्यान** :उद्योग जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों से सीधे आने वाली उद्योग अंतर्दृष्टि के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए एक अतिथि व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। पहला सत्र 'ई-कॉमर्स में विश्लेषिकी और उत्पाद प्रबंधन एक साथ कैसे आते हैं' विषय पर था। सत्र के लिए, श्री विनोद बालासुब्रमण्यम को आमंत्रित किया था। वह

फ्लिपकार्ट में उत्पाद, विश्लेषिकी और संचालन के वरिष्ठ निदेशक हैं। उन्हें पूंजी प्रधान और हाई-टेक सेक्टर फर्मों दोनों में विशेषज्ञता का दो दशकों से अधिक का अनुभव है। सत्र में लगभग 220 छात्रों ने भाग लिया।

ग- योटाबाइत2: एक्सेल से लेकर बेसिक आंकड़े तक के एनालिटिक्स की बेसिक्स पर आधारित 3 राउंड प्रश्नोत्तरी आयोजित कि गई।

घ- व्हाइट बॉल एनालिटिक्स: आरुण्या के भाग रूप में इंटरकॉलेज स्पोर्ट्स-आधारित विश्लेषकी कार्यक्रम है।

<u>सीओइ : उद्यमिता केंद्र</u>

क- दी बिग शॉट - राष्ट्रीय स्तर की व्यापार कल्पना प्रस्ताव प्रतियोगिता : स्टार्ट-अप विचारों को प्रोत्साहित करने हेतु एक मंच प्रदान करने के लिए, सीओई, आईआईएम अमृतसर ने एक राष्ट्रीय स्तर की व्यावसायिक विचार पिचिंग प्रतियोगिता आयोजित की जो आपको जूरी, सीओई, आईआईएम अमृतसर में व्यापार कल्पना प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करती है, जिसमें पूरे देश में विचारशील बुद्धियों को उनके विश्लेषणात्मक कौशल, संचार और पारस्परिक कौशल पर परीक्षण किया जाता है। इस आयोजन में 3 राउंड सहभागी थे, जिसमें पहले दो राउंड डी सी2 पर ऑनलाइन आयोजित किए गए थे और तीसरा इवेंट जूम प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया था।

ख- ई-समिट सम्मेलन, 2021: सीओई ने ई समिट, 2021 के एक भाग के रूप में स्टार्ट-अप एक्सपो, अपस्किलिंग वर्कशॉप, विचारोत्तेजक पैनल चर्चा जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की मेजबानी की।

ग- आरुण्या5.0- बीट द स्पीड : आरुण्या के एक भाग के रूप में आयोजित रोमांचक प्रश्नोत्तरी के साथ व्यावसायिक ज्ञान सीखें और परखें। जैसे ही आप पहले राउंड को पास करते हैं, वैसे ही एक इंटरैक्टिव और रोमांचक दूसरे राउंड के लिए तैयार हो जाएं जो आपकी बुद्धि को चुनौती देता है और आपको" बीट द स्पीड "की आवश्यकता होती है। शॉर्टलिस्ट की गई टीमों को ऑडियो, इमेज और वीडियो दिखाया गया और उसी के आधार पर प्रश्न पूछे गए और तदनुसार स्कोर दिए गए।

<u>ह्विथ्वी: द एचआर क्लब</u>

क- **एचआर हिंद** : स्वतंत्रता दिवस के संबंधित एक आभासी प्रतियोगिता है। यह मानव संसाधन पाठों और अवधारणाओं पर आधारित एक वीडियो बनाने की प्रतियोगिता थी जिसे छात्र हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से समझ सकते थे। इस कार्यक्रम में छात्रों की बहुत उत्साहजनक भागीदारी देखी गई और शीर्ष 3 विजेताओं को ई-सर्टिफिकेट वाले अमेज़न वाउचर दिए गए।

ख- **करियर क्लिनिक 4.0** एक अतिथि व्याख्यान श्रृंखला है, जिसमें ह्विथ्वी-आईआईएम अमृतसर का एचआर क्लब एक बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए छात्रों को उनके अनुभवों और विचारों से संबोधित करने के लिए औद्योगिक दिग्गजों की मेजबानी करता है। इस पहल के हिस्से के रूप में, हमने श्री क्षितिज बत्रा - क्षेत्रीय प्रमुख (एचआर) को मेजबानी की। उन्होंने छात्रों को विषय पर संबोधित किया – "कॉर्पोरेट कॉलिंग - एमबीए से अपेक्षाएं और उद्योग के लिए कैसे तैयार रहें और एचआर टेक और अंतर्दृष्टि में रुझान"। उन्होंने कॉर्पोरेट जीवन के लिए तैयार होने के तरीके पर अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

ग- ह्विथ्वी ने क्लब की प्रश्नोत्तरी श्रृंखला" uHRvi" का संचालन किया। प्रश्नोत्तरी में दो दौर शामिल थे और विभिन्न मानव संसाधन शर्तों और उद्योग में होने वाली घटनाओं पर छात्र के ज्ञान का परीक्षण करने के लिए प्रश्न तैयार किए गए थे। प्रश्नोत्तरी एक गूगल फॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई थी जो मेल के माध्यम से मंगाई गई थी। प्रश्नोत्तरी में दो राउंड हुए। विजेता का न्याय करने के लिए सभी प्रश्नोत्तरी के संचयी अंकों पर विचार किया गया। विजेता आईआईएम अमृतसर में एमबीए-06 बैच के छात्र शुभ दुबे थे।

घ- **महिला दिवस समारोह** : युवाओं के ज्ञान का परीक्षण करने और उन्हें कार्यस्थल के साथ-साथ दैनिक जीवन में महिलाओं से संबंधित मुद्दों और उपायों से अवगत कराने के लिए, आईआईएम अमृतसर के एचआरथवी (एचआर क्लब) द्वारा एक प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। इसने इस बात की जानकारी दी कि पिछले कुछ दशकों में महिलाएं कितनी दूर तक पहुंची हैं।

प्रश्नोत्तरी में महिलाओं की उपलब्धियों और हमारे देश की महिलाओं के लिए लागू विभिन्न नियमों पर प्रकाश डाला गया।

<u>मार्कोफिलिक: विपणन क्लब</u>

क- **एस .टी .पी . (सिट टॉक प्रमोशन):** एमबीए-06 बैच के लिए आंतरिक ज्ञान साझा निर्वाचिका सभा में दो पारस्परिक विचार-विमर्श शृंखला मे सहभागी थे। एसटीपी 1.0 का आयोजन प्रेप क्लब के सहयोग से किया गया था, जहां वक्ताओं श्री शुभ्रज्योति भट्टाचार्य (ईवाई मे प्रबंध परामर्शदाता) और श्री सुभ्रजीत मुखर्जी (एचटी मीडिया लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक) ने एचयूएल लाइम के विजेताओं के बारे में ज्ञान प्रदान किया एवं विभिन्न केस स्टडी प्रतियोगिताओं के प्रति दृष्टिकोण साझा किया। कार्यक्रम के दूसरे भाग को एमबीए-05 से श्री स्वरित सिंह ने संभाला, उन्होंने प्रतियोगिताओं के महत्व और मार्केटिंग के प्रति बुनियादी दृष्टिकोण के बारे में बात की।

ख- मार्कोफिलिक यह कार्यक्रम अब मार्कसेप्टुअलाइजर के नाम से जाना गया जो की एक अवधारणा समाशोधन सत्र है। यह पहल इसलिए की गई क्योंकि कई छात्रों को बुनियादी विपणन अवधारणाओं और रूपरेखाओं के अनुप्रयोगों को समझने में समस्याओं का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम के वक्ता एमबीए05 के श्री अंशुल जैन थे, उन्होंने 4+3 पी की विपणन पर अपना ज्ञान साझा किया।

ग- मार्कचैम्प: मार्कोफिलिक ने तीन राउंड में वार्षिक विपणन प्रश्नोत्तरी, मार्कचैम्प 2.0 के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। सभी राउंड में 3 चरण थे। सभी चरणों में प्रश्नोत्तरी, क्रॉसवर्ड विज्ञापन और लोगो पहचान, ऑडियो मार्केटिंग, शीर्ष वाक्य और एंबेसडर मान्यता के रूप में चुनौतीपूर्ण प्रश्न शामिल थे। सभी प्रश्नों ने प्रतिभागियों के विपणन के महत्वपूर्ण तत्वों - बुनियादी अवधारणाओं, विज्ञापनों, लोगो, टैगलाइन और ब्रांड एंबेसडर के ज्ञान का परीक्षण किया।

घ- मार्कोफिलिक ने इस वर्ष **वॉर ऑफ सेक्शन** का पहला संस्करण प्रस्तुत किया। यह आयोजन दो राउंड का था। पहला दौर एमबीए-06 बैच के वर्गों के बीच एक ऑनलाइन प्रतियोगिता थी। प्रतिभागियों को उन्हें दिए गए उत्पाद का रचनात्मक विज्ञापन करते हुए लगभग दो मिनट

की एक वीडियो कहानी बनानी थी। सभी वर्गों से सर्वश्रेष्ठ दो टीमे अतिम दोर में चली गई। अन्त ने प्रतिभागियों को यह अनुभव करने का मौका दिया कि प्रचार कैसे काम करते है। अंतिम खेल में भाग लेने वाले टीमों को अपने अनुभाग के लिए प्रचार अभियान तैयार करने के लिए कुछ दिनों का समय दिया गया था। प्रतिस्पर्धा के दिन, उन्हें अपने अनुभाग के लिए प्रस्तुत करने के लिए 10 मिनट का समय दिया गया था।

ङ- **मार्कस्ट्रैट (आरुण्या 5.0):** इस आयोजन में 3 राउंड शामिल थे और इसे विपणन के क्षेत्र में प्रतिभागियों की क्षमताओं और कौशल का परीक्षण करने के लिए बनाया गया था।

पहला राउंड प्रारंभिक प्रश्नोत्तरी निकाल देना जो डीसी2 पर ऑनलाइन आयोजित किये गये थे। प्रश्नोत्तरी ने प्रतिभागियों को मार्केटिंग के विभिन्न क्षितिजों से संबंधित विभिन्न ब्रांडों और कंपनियों के बारे में ज्ञान और जागरूकता का परीक्षण किया।

दूसरा राउंड: संघ को एक उत्पाद सौंपा गया था, और उन्हें उत्पाद के लिए एक मूल नाम और आकर्षक शीर्षक के साथ आना था। टीमों को मौजूदा प्रतिस्पर्धियों, उपभोक्ता मांग, मूल्य निर्धारण रणनीतियों और बाजार में जाने की कार्यनीति के संदर्भ में उन उत्पादों के संबंध में वर्तमान बाजार की स्थिति का अध्ययन करने की भी आवश्यकता है। सभी शोधों को पीपीटी फाइल के रूप में प्रस्तुत किया जाना था, जिसका मूल्यांकन आगे की शॉर्टलिस्टिंग के लिए किया गया था।

तीसरा राउंड: चुने हुई गई टीमों ने अपने उत्पाद को पैनलिस्टों के सामने रखा, जिन्होंने क्यूएनए सत्र के बाद शीर्ष 3 का फैसला किया। विजेताओं का निर्णय उनकी रचनात्मकता, मौलिकता और बाजार अनुसंधान की शुद्धता के आधार पर किया गया था।

<u>एफईसी: वित्त और अर्थशास्त्र क्लब</u>

क- **फिन – लीग,** आईआईएम अमृतसर के छात्रों के लिए क्विज़ की एक श्रृंखला, वित्त और अर्थशास्त्र के एक विशेष क्षेत्र पर केंद्रित प्रत्येक प्रश्नोत्तरी के साथ आयोजित की गई थी।

ख- **मूवी नाइट्स** एफईसी द्वारा आयोजित एक अंतर-कॉलेज प्रतियोगिता थी, जहां प्रतिभागियों से कुछ वित्तीय अवधारणाओं को दर्शाने वाली फिल्म और टीवी शो क्लिप पर पूछताछ की गई थी।

ग- **व्यापार विज्ञान** : इस कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी के कई राउंड , सिमुलेशन और विभाग की पिचिंग शामिल थी।

घ- **इनसाइट आउट** : इस आयोजन में कंपनी की वित्तीय स्थिति की प्रश्नोत्तरी, रिपोर्ट शोकेसिंग और पीपीटी प्रस्तुतियों के कई दौर शामिल थे ।

ङ- **बार्टर इट आउट** : इस कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी के कई दौर शामिल थे, और प्रत्येक टीम को वस्तुओं की एक सूची प्रदान की जाएगी जो उनकी शुरुआती संपत्ति होगी। वस्तुओं की एक और सूची प्रदान की जाएगी, जो लक्ष्य सूची के रूप में कार्य करेगी अर्थात खेल को पूरा करने के लिए टीमों को उन वस्तुओं को प्राप्त करना होगा। सभी लेनदेन एक केंद्रीय डेटाबेस के माध्यम से जाएंगे, जहां लेनदेन दर्ज किए जाएंगे।

च- हमारी अतिथि व्याख्यान श्रृंखला के हिस्से के रूप में, एफईसी ने अदानी हवाईअड्डे पर श्री अखिल शर्मा, उप महाप्रबंधक-वित्त (प्रमुख, एफपीएंडए) की मेजबानी की और आईआईएम अहमदाबाद और वारविक बिजनेस स्कूल के पूर्व छात्र, जिन्होंने" उत्तोलन / ऋण वित्तपोषण का महत्व" इस विषय पर बात की।

छ- हमारे अतिथि व्याख्यान के एक भाग के रूप में वित्त और अर्थशास्त्र क्लब, आईआईएम अमृतसर ने सफलतापूर्वक" **जोखिम प्रबंध में क्रेडिट जोखिम और विकसित प्रतिमान** "पर एक सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की मेजबानी श्री श्रीनिवासन कन्नन, हेड-साउथ, कॉरपोरेट क्लाइंट बैंकिंग एंड स्पेशलाइज्ड इंडस्ट्रीज, जेपी मॉर्गन ने की।

ज- 26 सितंबर 2020 को "**वर्तमान मैक्रो-इकोनॉमिक माहौल में जोखिम और लचीलापन**" पर एक सत्र का आयोजन किया, जिसकी मेजबानी गोल्डमैन सैक्स के जोखिम प्रबंधन पेशेवर और आईआईएम कोझीकोड के पूर्व छात्र श्री सिमरन प्रधान ने की। दुनिया एक संक्रमण के दौर से गुजर रही है, और प्रबंधन समुदाय का हिस्सा होने के नाते, बी-स्कूल के छात्रों को उद्योग में वर्तमान रुझानों के बारे में खुद को अपडेट करने की जरूरत है। इस व्याख्यान ने छात्रों को अर्थव्यवस्था पर मंडरा रही अस्थिरता के बारे में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद की और इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए उद्योग और कंपनियां क्या कर रही हैं ।

कैंपस की गुंज

TribeVibe

IIM Amritsar

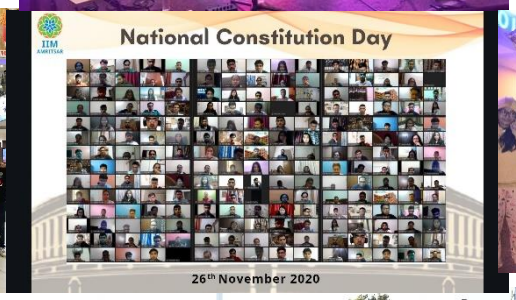
National Constitution Day
26th November 2020

IIM Amritsar

Panel Discussion
E-Summit
07th February 2021
"A Day in the Life of an Entrepreneur- Transcending the Ordinary."

SANKSHETRA
Strategy Panel
"Evolving Strategy & Consulting Amidst Changing Socioeconomic Outlook"
10th January 2021

<u>प्रेप क्लब</u>

क- परामर्श एवं उसमे में करियर कैसे विकसित करें इस विषयपर अतिथि व्याख्यान हुआ। श्री आदित्य अग्रवाल द्वारा व्याख्यान दिया गया था। आदित्य यह मैकिन्से एंड कंपनी के परामर्शदाता है एवं आईआईटी, दिल्ली और आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व छात्र है।

ख- समूह चर्चा वेबिनार की मूल बातें: समूह चर्चाओं में छात्रों को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए, और उन्हें इसमें विशिष्ट होने के लिए युक्तियों से अवगत कराना। श्री उज्ज्वल प्रभात मिश्रा आईआईएम)अमृतसर में एमबीए-05 बैच के छात्र (को शाम के अतिथि वक्ता के रूप में समूह चर्चा में दोनों बैचों के छात्रों की मदद करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

ग- कोविड के दौरान साक्षात्कार और समूह चर्चा की तैयारी : प्रेप क्लब ने कोविड के दौरान साक्षात्कार की तैयारी पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। श्री सोरबोजीत चटर्जी (संस्थापक, हैप कोच, पूर्व सीएमओ झी एंटरटेनमेंट) को कुछ सबसे बड़े उपभोक्ता-सामना करने वाले मीडिया ब्रांडों (झी टीवी, आज तक, हेडलाइंस टुडे, रेड एफएम, डीएनए और नियो स्पोर्ट्स) को लॉन्च करने और अग्रेषित करने का लगभग 2 दशकों का अनुभव है।

<u>संकल्प: समाज सेवा क्लब</u>

क- एमबीए-06 के छात्रों के लिए एक समूह गतिविधि आयोजित की गई जिसमें उन्हें विभिन्न कंपनियों की सीएसआर गतिविधियों पर प्रस्तुति देनी थी। गतिविधि का उद्देश्य छात्रों को इस बात से अवगत कराना था कि कैसे कॉर्पोरेट जगत विभिन्न सामाजिक पहल करके समाज को वापस देने का प्रयास करता है।

ख- **कोविड के दौरान करुणा का अनुभव**: इन अभूतपूर्व समय के दौरान, जहां पूरी दुनिया उलटपलट हो गई है, मानव जाती ने दयालु होकर और जरूरतमंद लोगों की मदद करके आशा की एक किरण दिखाई है। संकल्प -आईआईएम अमृतसर के समाजसेवा क्लब ने एक अच्छा बदलाव किया है, जो बेहतर होने के साथ ही बेहतर होगा।

ग- **मीलों पार मुस्कान**: हैदराबाद स्थित एनजीओ, आधारना के सहयोग से, उन्होंने 30 बच्चों के लिए हंसी और भोजन से भरे दिन को अंजाम दिया। उन्होंने एक दिन भर भोजन की व्यवस्था

की और साथ ही कुछ स्टेशनरी भी जिनका उपयोग वे अपना भविष्य लिखते समय कर सकते हैं।

घ- **वृक्षारोपण अभियान**: हमने छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया। हमने सभी छात्रों को रुचि की अभिव्यक्ति भेजकर अभियान में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जहां हमें जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। सभी छात्रों के साथ हमने छात्रावास में लगभग 50 फूलों के पौधे लगाए।

ङ- **दी मुंची मशीन**: हमने अमृतसर स्थित एक एनजीओ मिशन दीप एज्युकेशन ट्रस्ट में लड़कियों की सहायता के लिए छात्रावास में एक फूड स्टॉल लगाया। एनजीओ की लड़कियां एनजीओ चलाने के लिए मठरी, नारियल के लड्डू, मफिन जैसे स्वादिष्ट पदार्थ बनाती हैं और क्लब से जुड़ी लड़कियों के आश्रय और शिक्षा का समर्थन करती है। कोविड-19 के इन अभूतपूर्व समय में, दुनिया भर के छोटे व्यवसाय प्रभावित हुए हैं और इस पहल ने लड़कियों को उनके छोटे से प्रयास में मदद की है।

<u>मिमी 50</u>: फोटोग्राफी क्लब

क- **जुक्स्टापोज:** यह कार्यक्रम विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर प्रकाशित किया गया था। प्रतिभागियों को अपनी दो तस्वीरों को संग्रह करना था, एक उनके किसी भी बेहतरीन छायांकित किए गए पल से, और दूसरी को लॉकडाउन चरण के दौरान उनके घरों पर फिर से बनाया जा रहा था।

ख- **निशब्द :** यह आरुण्या 5.0 के लिए क्लब का प्रमुख कार्यक्रम था। प्रतिभागियों को ऐसी तस्वीरें खींचनी थीं जो अपने लिए बोल सकें, जो आध्यात्मिकता, शांति और एकांत को दर्शाती हों।

वाणी: साहित्यिक और सार्वजनिक भाष्य क्लब

क- 'द वेनेसिस' आईआईएम अमृतसर के नए बैच के लिए एक प्रश्नोत्तरी आधारित प्रेरण कार्यक्रम था। प्रश्नोत्तरी में दुनिया भर की घटनाओं, प्रसिद्ध लोगों और उनके उद्धरणों के बारे में रोचक प्रश्न शामिल थे, इसके अलावा यह श्रव्य और दृश्य प्रश्नों का मिश्रण था।

ख- सार्वजनिक भाषण और कहानी प्रस्तुति कला 15 अगस्त 2020: वाणी ने इस शैक्षणिक वर्ष के पहले व्याख्यान के लिए जेनेसिस बीसीडब्ल्यू में सहयोगी निदेशक और आईआईएफटी दिल्ली के पूर्व छात्र श्री अभिशांक बब्बर की मेजबानी की। यह एक आकर्षक और मजेदार शिक्षण सत्र था जहां अतिथि ने सार्वजनिक भाषण में सुधार लाने और कहानियों को आकर्षक बनाने के बारे में सलाह साझा की।

ग- लेखक सें भेंट : वाणी ने अपने पहले 'मीट द ऑथर' (लेखक से भेंट) वेबिनार की मेजबानी की। अतिथि श्री स्टीव कोरिया थे जो वर्तमान में डियाजियो इंडिया में मादक पेय प्रभाग के सीएचआरओ के रूप में काम कर रहे हैं, जो एक विशिष्ट व्यावसायिक है, जिसके पास 30+ से अधिक वर्षों का पेशेवर अनुभव है। उन्होंने कुछ नाम रखने के लिए जियो, वोडाफोन एस्सार लिमिटेड, यूनिलीवर जैसे ब्रांडों के साथ भी काम किया है। सत्र उनकी पुस्तक "द इंडियन बॉस एट वर्क "से संबंधित था। श्री कोरिया ने अपने दृष्टिकोण साझा किए कि कैसे भारतीय होने के नाते हमें विशेष रूप से कार्यस्थल पर आकार दिया जाता है।

घ- वाणी के प्रमुख कार्यक्रम 'संवाद - विचारों का मंच' का पहला संस्करण आयोजित किया गया था। यह हमारे देश की उभरती प्रतिभाओं के लिए एक मंच है जहां वे एक मध्यम गोलमेज चर्चा में समकालीन मुद्दों पर विचार/विचार/अनुभव व्यक्त कर सकते है। पहले संस्करण का विषय "कोविड समय में शिक्षा" था।

ङ- शब्दों का युद्ध आरुण्या में नियमित रूप से आयोजित वाणी के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। यह एक दिलचस्प खेल है जहां प्रतिभागियों को दिए गए शब्द का उपयोग करके 1 पूर्ण मिनट के लिए बोलना होता है। कुछ नियम हैं जिनका पालन करने की आवश्यकता है और यदि कोई प्रतिभागी किसी नियम का उल्लंघन करता है, तो अन्य प्रतियोगियों द्वारा आपत्ति की जा सकती है। इसमें दो राउंड हुए।

च- भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष के समारोह के एक भाग के रूप में, हमने" भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष: आगे का रास्ता "विषय पर एक राष्ट्रव्यापी निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया।

छ- अभिव्यक्ति वाणी की प्रमुख सार्वजनिक बोलने वाली श्रृंखला है जहां छात्र समुदाय के वक्ताओं को एमबीए से टीकाकरण तक विविध विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए मंच प्रदान किया जाता है ।

आरुण्या 5.0: सांस्कृतिक और प्रबंध और खेल उत्सव

आरुण्या-5.0 (आईआईएम अमृतसर का वार्षिक उत्सव) 13 और 14 मार्च 2021 को आयोजित किया गया था। आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी, एमडीआई, आईआईएफटी आदि जैसे प्रमुख महाविद्यालयों के छात्रों ने कई प्रबंध और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया, जो मुख्य रूप से डी2सी प्लेटफॉर्म पर आयोजित किए गए थे। इस फेस्ट को केनरा बैंक, यूबीआई, एसबीआई, कोका कोला, लैक्मे आदि कॉरपोरेट्स ने उत्साहपूर्वक समर्थन दिया।

नई पहल: "विंग्स"

भारत में सिर्फ 36% लड़कियां ही मासिक धर्म के दौरान पैड का उपयोग करती हैं। जब एक लड़की को अपने मासिक धर्म को स्वस्थ तरीके से प्रबंधित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, तो यह उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए कई समस्याएं निर्माण कर सकता है।

"विंग्स" एमबीए-06 बैच के छात्र मुस्कान गर्ग और प्रतीक सांखे की एक पहल, सैनिटरी पैड के साथ महिलाओं की मदद करके उनके जीवन में बदलाव लाना चाहती है। पहले चरण में उन्होंने कुरुक्षेत्र की 50 महिलाओं की सहायता की। दूसरे चरण में उन्होंने लगभग 60 महिलाओं के जीवन में बदलाव लाने की कोशिश की। चरण 3 के लिए, उन्होंने इंदौर स्थित एक गैर सरकारी संगठन के साथ सहयोग किया और 100 महिलाओं को सैनिटरी नैपकिन के साथ मास्क के साथ-साथ सैनिटाइज़र भी वितरित किया। "विंग्स" पहल का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें पंख लगाकर ऊंची उड़ान भरना है।

प्लेसमेंट

प्लेसमेंट का एक सारांश चित्र 2020-21

वर्ष 2020-21 में प्लेसमेंट सत्र ने एक बार फिर छात्रों को रोजगार खोज में मदद करने के लिए कौशल में परिणत उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के आईआईएम अमृतसर के संकल्प का उदाहरण दिया। जब भारतीय अर्थव्यवस्था, दुनिया की अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं की तरह, भीषण कोविड-19 संकट के कारण नीचे की ओर सर्पिल हो गई, तो आईआईएम अमृतसर के छात्र कठोर प्रशिक्षण कर इस अशांत स्थिति से गुजरने में सफल रहे, जिसने उन्हें अप्रत्याशित गंभीर स्थिति के लिए तैयार किया था। इस राष्ट्रीय संकट के बावजूद, संस्थान ने कोविड-19 के संबंध में सरकार के सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, क्रमशः अपने 5वें और 6वें बैच के लिए अंतिम और ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट को पूरा किया। इस वर्ष आयोजित प्लेसमेंट की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- एमबीए-05 बैच के 146 छात्रों के लिए शत-प्रतिशत अंतिम प्लेसमेंट।
- एमबीए-06 बैच के 212 छात्रों के लिए शत-प्रतिशत ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट
- ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट में 102 कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें से 40 पहली बार इस प्रक्रिया में सहभागी हुई।
- 88 कंपनियों ने अंतिम प्लेसमेंट में भाग लिया, जिनमें से 72 नए भर्तीकर्ता थे।
- एमबीए-05 बैच के लिए 18.16 लाख प्रति वर्ष उच्चतम सीटीसी

अंतिम प्लेसमेंट

इस प्लेसमेंट सत्र में अप्रत्याशित परिस्थितियों के बावजूद, संस्थान को संगठनों का भारी समर्थन प्राप्त हुआ और शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए एक उपयुक्त निष्कर्ष के रूप में एमबीए-05 बैच के लिए 100% अंतिम प्लेसमेंट प्राप्त किया। छात्रों को विपणन, बिक्री, वित्त, विश्लेषिकी और मानव संसाधन से लेकर सभी प्रबंध क्षेत्र को शामिल करते हुए प्रस्तावों का एक अच्छी तरह से आनुपातिक मिश्रण प्राप्त हुआ। संचालन क्षेत्र में कुछ उल्लेखनीय प्रस्ताव भी प्राप्त हुए। रणनीति, सलाहकार और परामर्श

भूमिकाओं में समान फलते-फूलते स्पाइक को जारी रखते हुए, छात्रों को डेलॉयट और अर्न्स्ट एंड यंग जैसी प्रमुख लेखा फर्मों द्वारा भी पदों की प्रस्तुति की गई थी।

इसके अलावा, आईआईएम अमृतसर में पहली बार गार्टनर, कैपिटल फूड्स, एचसीएल, इंफोसिस और कई अन्य लोग कैंपस आए। एक्सेंचर, आनंद राठी, अमेज़ॅन, सिप्ला, ग्रांट थॉर्नटन, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, एलएंडटी, म्यू सिग्मा, पॉलीकैब, टेक महिंद्रा, श्याओमी जैसी कई प्रतिष्ठित फर्मों के साथ, और कई अन्य ने संस्थान के साथ अपना सहयोग जारी रखा।

निम्न तालिका 2019-20 की तुलना में 2020-21 के लिए प्लेसमेंट परिणाम की तुलना प्रस्तुत करती है।

वर्ष 2019-20 और 2020-21 के तुलनात्मक आंकड़े		
मैट्रिक्स	सत्र 2019-20	सत्र 2020-21
अंतिम प्लेसमेंट के आंकड़े		
कंपनियों की संख्या (अंतिम)	32 (कुल भेंट 47)	43 (कुल भेंट 88)
रखे गए छात्रों की संख्या (अंतिम)	102*	134*
औसत सीटीसी (एलपीए)	12.61 लाख प्रति वर्ष	12.68 लाख प्रति वर्ष
शीर्ष चतुर्थक के लिए औसत	17.86 लाख प्रति वर्ष	15.94 लाख प्रति वर्ष
ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के आंकड़े		
कंपनियों की संख्या (ग्रीष्मकाल)	48 (कुल भेंट 65)	47 (कुल भेंट 102)
कुल रोजगार प्राप्त छात्रों की संख्या (ग्रीष्मकाल)	146	212

***2020 में 4 छात्रों और 2021 मे 12 छात्रों ने प्लेसमेंट मे सहभागी न होने का विकल्प चुना**

प्लेसमेंट का उद्योग-वार विभाजन

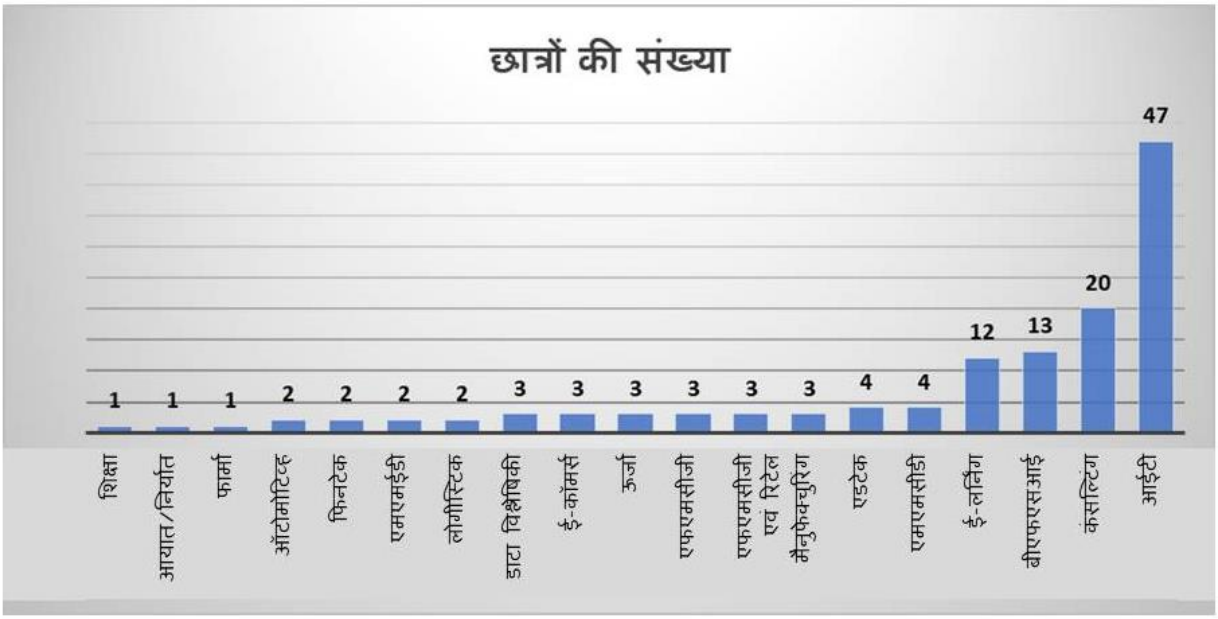

प्लेसमेंट का क्षेत्र-वार विभाजन

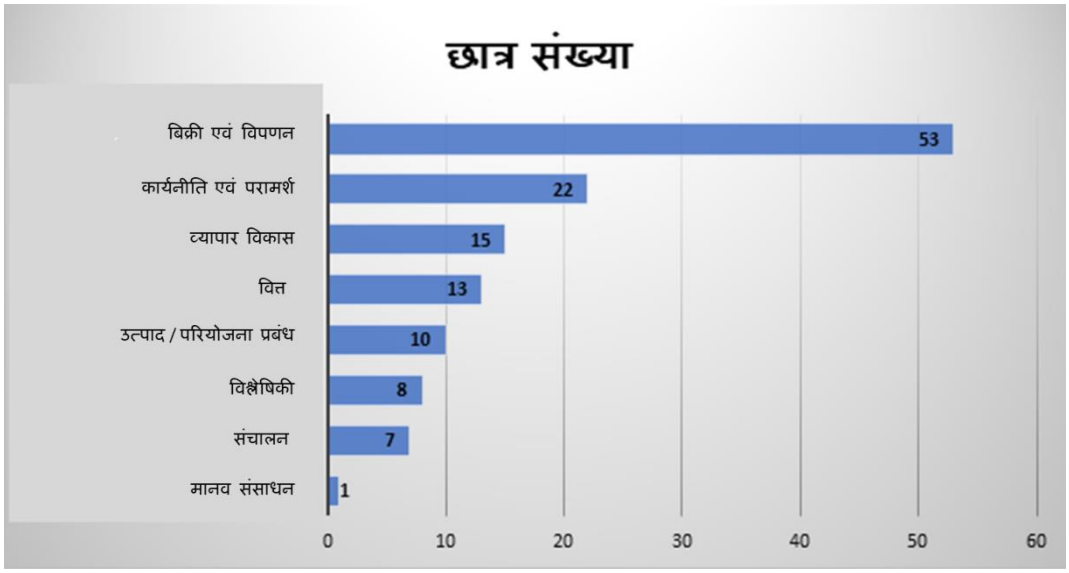

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट

बैच के आकार में 45 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद, संस्थान ने अपने छठे बैच के 100 प्रतिशत ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट का प्रबंधन किया। इस वर्ष दिया जाने वाला उच्चतम स्टायपेंड रु. 1,60,000 है। बैच के शीर्ष चतुर्थक के लिए समग्र औसत एवं औसत स्टायपेंड क्रमशः रु. 47,457 और रु. 1,02,891 इंटर्नशिप अभियान में आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, सिप्ला, कोटक महिंद्रा बैंक, जियो क्रिएटिव लैब्स, वी-गार्ड, क्रॉम्पटन ग्रीव्स, श्याओमी आदि जैसे प्रमुख नियोक्ताओं से अतिउत्तम प्रतिक्रिया देखी गई। उन्होंने सलाहकार, व्यवसाय विकास, संचालन और विश्लेषण, आपूर्ति श्रृंखला, वित्त और बाजार अनुसंधान सहित कई भूमिकाओं की प्रस्तुति की है। भर्तीकर्ताओं ने संस्थान के प्रतिभा पूल की विविधता और गुणवत्ता के लिए आईआईएम अमृतसर की सराहना की, जिसने संस्थान की उद्योग-अकादमिक साझेदारी को बढ़ावा देने में मदद की है। आईआईएम अमृतसर भर्तीकर्ताओं को उनके निरंतर समर्थन के लिए अपना गहरा आभार व्यक्त करता है।

उद्योग-वार विभाजन

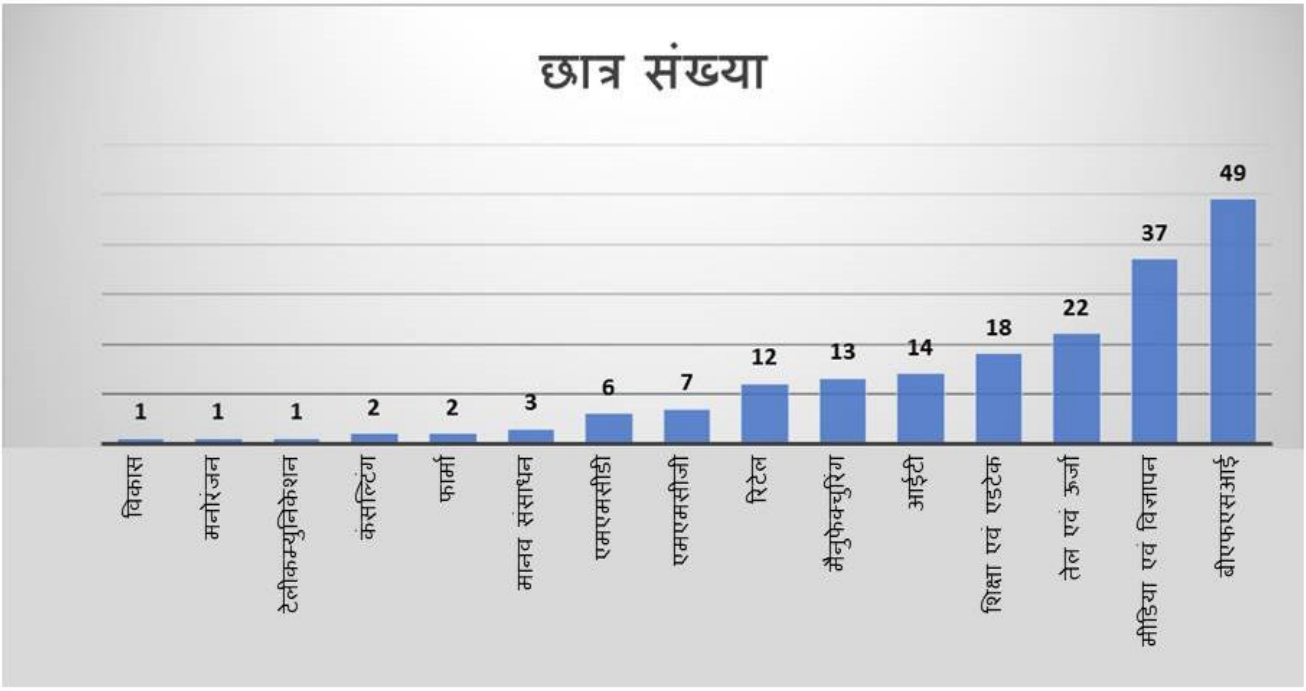

क्षेत्र-वार विभाजन

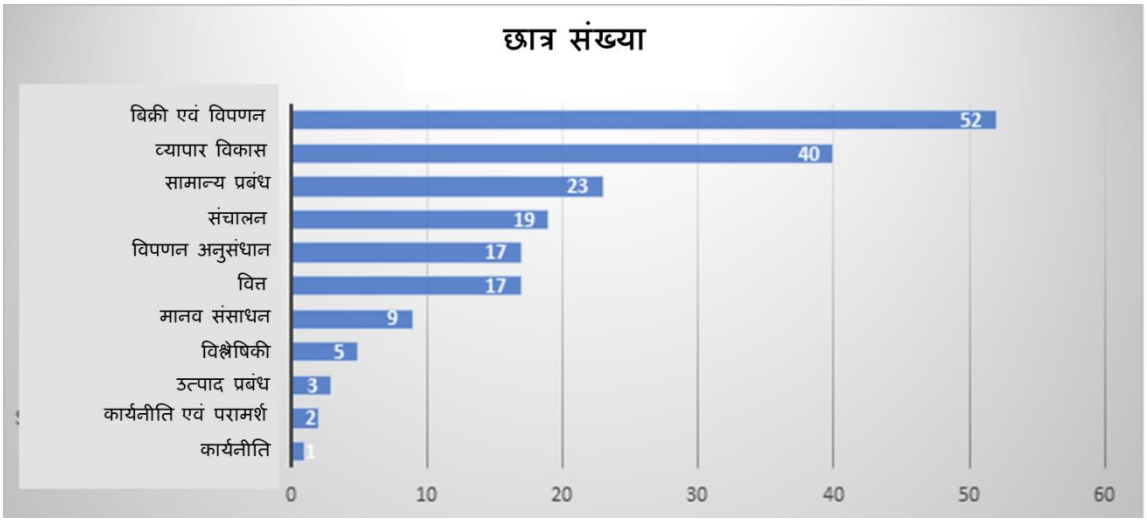

आईआईएम अमृतसर हर गुजरते वर्ष के साथ एक नया मानदण्ड स्थापित कर रहा है। इस कठीन समय के दौरान, संस्थान ने न केवल अपने वर्तमान नियोक्ताओं के साथ अपने संबंधों को बनाए रखा, बल्कि इसने बड़ी संख्या में नए साहचर्य भी बनाए जो कि आने वाले बैच के लिए आकर्षक प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करेंगे। 70 से अधिक नई कंपनियों के साथ हमारा साहचर्य आने वाले वर्षों में उद्योग से जुड़ने और प्लेसमेंट के अवसरों के लिए अच्छा है।

संकाय विशेषताएं

संकाय वृद्धि

वर्ष 2020-21 के दौरान, संस्थान ने कई सदस्यों को क्षयण को बदलने और विकास को परिपूर्ण करने के लिए भर्ती किया। प्रोफेसर उमेश कुमार (ओबी/एचआर), गुरजीत कौर (विपणन), मधु जगलान (आईटी/आईएस) प्रो. दीपा मिश्रा (क्यूएमओएम), प्रो. पूर्वा ग्रोवर और निशा बामेल (कार्यनीति) ने संस्थान छोड़ दिया। साथ ही, पंद्रह (15) नए संकाय सदस्य प्रभावशाली प्रत्यय के साथ संस्थान में शामिल हुए।

नाम	डॉक्टरेट संस्थान	शिक्षण क्षेत्र
डॉ. अंकित शर्मा	आईआईएम - लखनऊ	मात्रात्मक तरीके और संचालन प्रबंध
डॉ. प्रशांत आनंद	आईआईएम - लखनऊ	मात्रात्मक तरीके और संचालन प्रबंध
डॉ. शुभब्रत चक्रवर्ती	आईआईएम - लखनऊ	मात्रात्मक तरीके और संचालन प्रबंधन
डॉ. श्वेता सिंह	आईआईएम - बैंगलोर	ओबी\एचआरएम
डॉ. दिव्या त्रिपाठी	आईआईएम - लखनऊ	ओबी\एचआरएम
डॉ. रविशंकर कोम्मू	आईआईएम - कलकत्ता	ओबी\एचआरएम
डॉ. अमर सक्सेना	आईआईएम अहमदाबाद	विपणन
डॉ. अश्वथी अशोकन अजित:	आईआईटी-मद्रास/कर्टिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया	विपणन
डॉ. सुजीत रघुनाथराव जगदाले	आईआरएमए, गुजरात	विपणन
डॉ. पवनीत सिंह	आईआईएम अहमदाबाद	अर्थशास्त्र
डॉ. चेतन चित्रे	आईआईएम - बैंगलोर	अर्थशास्त्र
डॉ. कुशल सहाय	आईआईएम - कलकत्ता	आईटी एवं कम्प्यूटेशनल प्रणाली
डॉ. सुनील रेड्डी कुंदरू	आईआईएम - बैंगलोर	आईटी एवं कम्प्यूटेशनल प्रणाली

डॉ. पंकज गुप्ता	आईआईएम - इंदौर	वित्त
डॉ. उदयन शर्मा	आईआईएम - लखनऊ	वित्त

संकाय सूची

अमर सक्सेना
पीएच.डी,
आईआईएम अहमदाबाद

अमित गुप्ता
पीएच.डी,
मेरीलैंड विश्वविद्यालय

अंकित शर्मा
पीएच.डी,
आईआईएम लखनऊ

अरुण कुमार कौशिक
पीएच.डी,
आईआईटी रुड़की

अरुण कुमार कौशिक
पीएच.डी,
आईआईटी मद्रास एवं कर्टिन विश्वविद्यालय

चेतन चित्रे
पीएच.डी,
आईआईएम बेंगलुरु

दिव्या त्रिपाठी
पीएच.डी,
आईआईएम लखनऊ

गुरबीर सिंह
पीएच.डी,
आईआईएम इंदोर

हरप्रीत कौर
पीएच.डी,
आईआईटी दिल्ली

कुशल सहा
पीएच.डी,
आईआईएम कोलकाता

महिमा गुप्ता
पीएच.डी,
आईआईएम लखनऊ

मुकेश कुमार
पीएच.डी,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

पंकज गुप्ता
पीएच.डी,
आईआईएम इंदोर

पवनीत सिंह
पीएच.डी,
आईआईएम अहमदाबाद

प्रशांत व्ही. आनंद
पीएच.डी,
आईआईएम लखनऊ

रविशंकर व्ही. कोम्मु
पीएच.डी,
आईआईएम कोलकाता

संतोष कुमार तिवारी
पीएच.डी,
आईआईएम इंदोर

शुवब्राता चक्रवर्ती
पीएच.डी,
आईआईएम लखनऊ

सुजीत रघुनाथराव जगदाले
पीएच.डी,
ग्रामीण प्रबंध संस्थान, आनंद

सुनील रेड्डी कुंदुरु
पीएच.डी,
आईआईएम बेंगलुरु

सुरेन्द्र राव कोमेरा
पीएच.डी,
आईएफएमआर

श्वेता सिंह
पीएच.डी,
आईआईएम बेंगलुरु

उदयन शर्मा
पीएच.डी,
आईआईएम लखनऊ

वर्तिका दत्ता
पीएच.डी,
आईआईएम खड़कपुर

संकाय पुष्टि

वर्ष 2020-21 में भी कई संकाय सदस्यों ने सफलतापूर्वक अपनी परिवीक्षा अवधि सम्पन्न की। प्रो महिमा गुप्ता (क्यूएमओएम), प्रो. हरप्रीत कौर (क्यूएमओएम), प्रो. सुरेंद्र राव कोमेरा (वित्त), प्रो संतोष कुमार तिवारी (कार्यनीति), प्रो मुकेश कुमार झा (विपणन एवं संचार), प्रो दीपा मिश्रा (क्यूएमओएम) और प्रो. अरुण कुमार कौशिक (विपणन एवं संचार) सफलतापूर्वक अपनी परिवीक्षा अवधि सम्पन्न की। सभी शिक्षकों को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई। जबकि प्रो .दीपा मिश्रा संस्थान के लिए एक संपत्ति होती, मात्र उन्होने फ़्रांस में नवीन रोजगार हेतु स्थानांतरित हुई है।

संकाय का बौद्धिक योगदान

आईआईएम - अमृतसर शिक्षण और अनुसंधान को समान रूप से महत्व देता है। संस्थान संकाय सदस्यों को उनके शिक्षण के क्षेत्र से संबंधित बौद्धिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करता है और उनके शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए संकाय विकास निधि, डेटाबेस और पुस्तकालय संसाधनों, शैक्षणिक सहयोगियों के माध्यम से उनके विकास के लिए पर्याप्त सहायता प्रदान करता है। विभिन्न समर्थन प्रणालियों का एक स्वाभाविक परिणाम उनके द्वारा उत्पादित बौद्धिक योगदान है। अनुसंधान एक सतत गतिविधि है, अक्सर अनिश्चित परिणामों के साथ। फिर भी, संस्थान को हितधारकों के साथ यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि इसके संकाय सदस्यों ने अनुसंधान योगदान के मामले में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस वर्ष हमारे संकाय ने सम्मेलनों में नौ शोध पत्र प्रस्तुत किए, शोध पत्रिकाओं में नौ जर्नल लेख प्रकाशित किए, और एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया। इन परिणामों में अभी तक होने वाले सम्मेलनों में प्रस्तुति के लिए स्वीकृत जर्नल लेखों और शोध पत्रों को शामिल नहीं किया गया है। संकाय सदस्यों द्वारा जर्नल प्रकाशन और उनके गुणवत्ता सूचकांक निम्नलिखित दो तालिकाओं में दिए गए हैं:

वर्ष 2019-20 के अनुसंधान निष्पती का सारांश

संकाय	पत्रिका	सम्मेलन	पुस्तक	केस	पेटेंट	अन्य
हरप्रीत कौर	2	0	0	0	0	0
महिमा गुप्ता	1	3	0	0	0	0
अरुण के कौशिको	1	4	1	0	0	0
गुरबीर सिंह	2	3	0	0	0	0
दिव्या त्रिपाठी	1	1	0	0	0	0
श्वेता सिंह	0	4	0	0	0	0
उदयन शर्मा	1	0	0	0	0	0
कुशल सह	2	0	0	0	0	0
संतोष कुमार तिवारी	1	2	0	0	0	0
अंकित शर्मा	0	1	0	0	0	0
वर्तिका दत्ता	0	1	0	0	0	0
सुरेंद्र राव कोमेरा	0	1	0	0	0	0
मुकेश कुमार झा	1	0	0	0	0	0
अश्वथी अशोकन अजित	1	0	0	0	0	0
शुभब्रत चक्रवर्ती	1	0	0	0	0	0
प्रशांत आनंद	0	1	0	0	0	0
एकूण	**14**	**21**	**1**	**0**	**0**	**0**

अनुसंधान की गुणवत्ता

आईआईएम अमृतसर, अन्य आईआईएम सहित अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के अनुरूप, अनुसंधान गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई बिजनेस डीन काउंसिल रैंकिंग (एबीडीसी) रैंकिंग का उपयोग करता है। (एबीएस) और चार्टर्ड एसोसिएशन ऑफ बिजनेस स्कूलआईआईएम अमृतसर के संकाय द्वारा प्रकाशित शोध की गुणवत्ता नीचे दी गई है:

सामान्य गुणवत्ता (एबीडीसी रैंकिंग)	लेखों की संख्या	एबीएस रैंकिंग	लेखों की संख्या
ए*	2	4*	-
ए	7	4	2
बी	3	3	3
सी	1	2	2
		1	1
अन्य	1	अन्य	6
एकूण	14		14

पत्रिकाओं मे प्रकाशित लेख

संकाय का नाम	लेख का शीर्षक	पत्रिका का नाम और आवृत्ति संख्या	प्रकाशन का महीना और वर्ष	पत्रिका की श्रेणी - *अ, अ, ब, सी, ड
प्रो महिमा गुप्ता	Deconstructing corporate value creation: evidence from Indian Information Technology enabled Service (ITeS) companies	Benchmarking International Journal	03-2021	बी
प्रोसंतोष कुमार तिवारी .	Dynamics of Energy Consumption, Financial Development, Trade Openness and Economic Growth in India: An Autoregressive Distributed Lag Bounds Cointegration Approach	Int. J. of Economic Policy in Emerging Economies	01-2021	सी
प्रोहरप्रीत कौरी .	Multi-Stage Hybrid Model for Supplier Selection and Order Allocation Considering Disruption Risks and Disruptive Technologies	International Journal of Production Economics	30-06-2020	ए
	An integrative location-allocation model for humanitarian logistics with distributive injustice and dissatisfaction under uncertainty	Annals of Operations Research	02-2021	ए
प्रोगुरबीर सिंह .	Religious Influences in Unrestrained Consumer Behaviour	Journal of Retailing and Consumer Services, Vol 58	01-2021	ए
	Consumer's Intention to Use Environment-friendly Ethical transportation Medium: A Conceptual Framework and Empirical Evaluation	Transportation Research Part F: Traffic Psychology and Behaviour, Issue- 70	04-2020	ए
प्रोदिव्या त्रिपाठी .	Does servant leadership affect work role performance via knowledge sharing and psychological empowerment?	VINE Journal of Information and Knowledge Management Systems, ahead of the print	08-2020	बी
प्रोउदयन शर्मा .	Measuring quantile risk hedging effectiveness: a GO-GARCH-EVT-copula approach	Applied Economics, Issue 48, Volume 52	06-2020	ए
प्रोकुशल सहाय .	'Buy Online and Pick Up In-Store': Implications for the Store Inventory.	European Journal of Operational Research	In Press (2020)	ए*
	Forays into omnichannel: An online retailer's strategies for managing product returns	European Journal of Operational Research	July 2021	ए*
प्रोअश्वथी अशोकन . :अजित	The role of cognitive complexity and risk aversion in online herd behaviour	Electronic Commerce Research	01-2021	ए
प्रोशुभब्रत चक्रवर्ती .	Solving the team orienteering problem with nonidentical agents: A Lagrangian approach	Networks	01-2021	अन्य
प्रोमुकेश कुमार झा .	The Marginalized and Stigmatized Identity of Dalits in India with Special Reference to Maharashtra and Tamil Dalit Autobiographies	International Journal of Development and Conflict,	December 2020	बी
प्रोकौशिको अरुण .	Does experience affect engagement? Role of destination brand engagement in developing brand advocacy and revisit intentions	Journal of Travel and Tourism Marketing	05-2020	ए

सम्मेलन प्रस्तुति

संकाय का नाम	प्रस्तुत पेपर का शीर्षक	सम्मेलन का नाम	सम्मेलन की तिथियां और वर्ष
प्रो अरुण कौशिको	An Empirical Examination of Consumer Behavior Towards Innovative Self-Service Delivery Options	International Conference on "Business Research and Innovation (ICBRI) 2021	26th -27 फरवरी 2021
	Changing Consumer Preferences Due to Technological Developments in Service Industry	4TH International Marketing Conference on Marketing, Technology and Society	07-09 दिसंबर 2020
	Developing a measure of customer' Self-Service Delight Towards Technology based Service Delivery Options	3rd International Conference on Digital Economy	27-29, दिसंबर 2020
	Consumers Switch: An Extended Version of Push-Pull-Mooring Model	ACME (Association of Collegiate Marketing Educators) 2021 Virtual Conference	17-20 मार्च 2021
प्रो महिमा गुप्ता	Group Decision Making Problem – Under Hesitant Fuzzy Linguistic Terms Multiple Criteria and Dynamic Environment	Northeast Decision Sciences Institute (NEDSI) Annual Conference	26-27 मार्च 2021
	Aggregating Information from Reviews: A Hesitant Fuzzy Linguistics Term Set approach	ICMSDM 2021 : International Conference on Management Science in Decision Making	29-30 मार्च 2021
	Selection of Learning Management System Vendors: Fuzzy Multiple Criteria Decision-Making Approach	DECISION SCIENCES INSTITUTE ANNUAL CONFERENCE	17-20 नवंबर 2020
प्रो संतोष . कुमार तिवारी	Performance of Business Group Affiliated Firms: Role of Organizational Psychological Capital	Association of International Business	जुलाई 2020
	Known Devils or Unknown Angels - A Network Approach to Understanding Group Formation in MBA Cohorts	Academy of Management	जुलाई 2020
प्रो. सुरेन्द्र राव कोमेरा	Board characteristics, ownership structure and technological efforts in emerging market firms: the case of India	World Finance Conference	सितंबर 2020
प्रो. वर्तिका दत्ता	Student's Perception and Preference for Online Learning In B-School Education	3rd ICDE & 14th ISDSI Annual Conference 2020:Building New Digital Ecosystem	27-29 दिसंबर 2020
प्रो. गुरबीर सिंह	Examining Role of Anthropomorphism and Service Failure on Negative Word of Mouth and Switching	SCP 2021 Annual Conference	4-6 मार्च 2021
	What Drives a Customer to Participate in Recovery of a Failed Service Encounter?	3rd ICDE and 14th ISDSI Conference 2020, IIM Raipur	27-29 दिसंबर 2020

	Effect of Anthropomorphism on Word of Mouth in a Service Failure Context	14th NASMEI Conference 2020	21-22 दिसंबर 2020
प्रो. दिव्या त्रिपाठी	Sustainable Development: Role of Institutional Factors and Supporting Micro foundations	3rd International Conference on Challenges in Emerging Economies	26-02-2021
प्रो. श्वेता सिंह	A study of HR practices and its relationship with Career Satisfaction, Career Plateauing, and Intention to Quit among Mid-Career Professionals	1st Rajagiri Management Conference, 2020	15-16 अक्तूबर, 2020
	Achieving Career Success: Boundaryless career as an intervention to career plateau	3rd ICDE & 14th ISDSI Annual Conference 2020	27-29 दिसंबर 2020
	Resilience and coping mechanism: patterns of bouncing back in men and women	3rd ICDE & 14th ISDSI Annual Conference 2020	27-29 दिसंबर 2020
	Networking in and out of organization: differences for men and women	24th Nirma International Conference on Management	7-9 जनवरी, 2021
प्रो अंकित शर्मा	Duopoly Airline Network Design Decisions under Carbon Offsetting and Reduction Scheme for International Aviation (CORSIA)	POMS 31st Annual Conference	30 अप्रेल से 5 मई, 2021
प्रो. प्रशांत आनंद	A last-mile vehicle routing problem in a dynamic online retail environment	3rd ICDE & 14th ISDSI Annual Conference	29/12/2020

कार्यकारी शिक्षा

वर्ष 2019-20 में एक मामूली शुरुआत के साथ, जहां संस्थान ने सीबीएसई स्कूल के प्रधानाचार्यों के लिए एक अल्पकालिक कार्यक्रम शुरू किया, संस्थान ने अपनी एमडीपी पहुंच का विस्तार किया है। कोविड-19 व्यवधानों के कारण, एमडीपी कार्यक्रम अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर सके।

संस्थान ने अपने प्रबंधकों और अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए तीन साल की अवधि के लिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस पहल के हिस्से के रूप में, संस्थान ने कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में प्रो महिमा गुप्ता के नेतृत्व में कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधकों के लिए डेटा एनालिटिक्स में 9 महीने के प्रमाणपत्र कार्यक्रम की पेशकश की। कार्यक्रम अगस्त 2020 मे व्हीसी माध्यम शुरू होगा और इसकी समाप्ती जून 2021 में होगी। हमने इस अवधि के दौरान एचपीसीएल के अधिकारियों 35को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। हमने इस अवधि के दौरान एचपीसीएल के 35 अधिकारियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। एचपीसीएल के प्रबंधकों के अगले बैच को इसे प्रस्तुत करने के लिए उनसे बातचीत चल रही है।

संस्थान ने कार्यक्रम के समन्वयक के रूप मे प्रो. वर्तिका दत्ता के साथ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के 37 अधिकारियों के लिए एक सप्ताह के नेतृत्व कार्यक्रम की पेशकश की। संस्थान ने वर्ष 2020-21 के लिए ज्ञान भागीदार बनने के लिए एक साझेदारी समझौते आईओसीएल पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

कार्यकारी शिक्षा प्रभाग ने कामकाजी वयस्कों के लिए एक हाइब्रिड-मॉडल कार्यकारी एमबीए प्रोग्राम भी विकसित किया है। प्रवेश आवश्यकताओं में कैट या संस्थान प्रशासित प्रवेश परीक्षा) आईएएटी(, तीन साल से अधिक का कार्य अनुभव, उद्देश्य का विवरण और प्रवेश समिति के साथ एक साक्षात्कार शामिल है। छात्रों के पहले समूह को प्रवेश दिया गया है और पाठ्यक्रम 5 जून 2021 से शुरू होगा।

INAUGURATION OF EXECUTIVE PROGRAM
IN DATA ANALYTICS
21 August 2020
IIM AMRITSAR
EXECUTIVE PROGRAM IN DATA ANALYTICS
FOR
HPCL OFFICIALS
E-INAUGURAL SESSION
AUGUST 21, 2020
Mr. Vippin Kumar Jain,
Chief General Manager (e-learning and development)
IndianOil Institute of Petroleum Management (IIPM)
Prof. Vartika Dutta,
Chairperson, Executive Education,
IIM Amritsar
Prof. Nagarajan Ramamoorthy,
Director, IIM Amritsar
IIM AMRITSAR
IndianOil
SIX-DAY LEADERSHIP DEVELOPMENT PROGRAM
FOR
SENIOR IOCL OFFICERS
"LEADING IN THE NEXT NORMAL"
E- INAUGURAL SESSION
DECEMBER 14, 2020

पूर्व छात्र संघ गतिविधियाँ

पूर्व छात्र संवाद सत्र – श्री विनायक गौतम, वरिष्ठ श्रेणी प्रबंधक, अकॅडमी और आईआईएम अमृतसर के पीजीपी03 बैच के एक छात्र ने वर्तमान छात्रों को" द वाइज फाइनेंशियलिस्ट :प्लानिंग योर फाइनेंस " विषय पर संबोधित किया, श्री विनायक ने छात्रों को वैश्विक मुद्रा मूल्य, स्टॉक मार्केट मूल्यांकन और इसके साथ जुड़े जोखिमों में अंतर्दृष्टि के साथ एक प्रारंभिक चरण के साथ शिक्षा योजना की आवश्यकता के बारे में मार्गदर्शन किया।

आईआईएम अमृतसर की पूर्व छात्र समिति ने 11 अक्टूबर 2020 की शाम को पहली बार आभासी पूर्व छात्र संवाद सत्र की सफलतापूर्वक मेजबानी की। इस अवसर की शुरुआत 50 मिमी फोटोग्राफी क्लब द्वारा" बैक टू कैंपस "विषय पर एक लघु फिल्म के साथ हुई और निदेशक, संकाय द्वारा सम्मानित किया गया। कर्मचारी और हमारे प्रिय पूर्व छात्र।

उदयत - पूर्व छात्र संवाद: छात्रों - श्री सजेश और श्री विष्णु, पीजीपी 02 बैच, आईआईएम अमृतसर के हमारे पूर्व छात्रों के साथ संवाद करने के लिए आईआईएम अमृतसर के छात्रों को सम्मानित किया गया। वे वर्तमान में क्रिसिल में क्रेडिट रेटिंग विश्लेषक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने छात्रों को "क्रेडिट रेटिंग" विषय पर संबोधित किया, उन्होंने वित्तीय संस्थानों की क्रेडिट रेटिंग को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर छात्रों का मार्गदर्शन किया।

पूर्व छात्र संवाद सत्र 2020

भौतिक अवसंरचना और स्थायी परिसर

कोविड लॉकडाउन के कारण केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा निविदा प्रदान करने में हुए विलंब के कारण स्थायी परिसर का निर्माण कार्य जुलाई 2020 में शुरू हुआ। सीपीडब्ल्यूडी के अनुमान से संकेत मिलता है कि परिसर अगस्त 2022 के आसपास तैयार हो जाना चाहिए।

विवाहित छात्र छात्रावास

शैक्षिक भवन

पुस्तकालय

सभागार

स्वास्थ्य केंद्र

संस्थान आगामी वर्षों में कार्यक्रमों और छात्रों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रहा है और भविष्य के विकास के लिए एक रोडमैप भी विकसित किया है। नए बुनियादी ढांचे, उत्कृष्ट संकाय और बोर्ड के समर्थन के साथ, इस युवा एवं संस्थान के लिए भविष्य बहोत उज्ज्वल है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर
Indian Institute of Management Amritsar

वित्तीय वर्ष 2020-21

के लिए

तुलन पत्र (बैलेंस शीट)

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी

सनदी लेखाकार

स्वतंत्र लेखा परीक्षक रिपोर्ट

वित्तीय विवरण पर रिपोर्ट

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान - अमृतसर (आईआईएम-अमृतसर) के वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षण किया है, जिसमें 31 मार्च, 2021 तक की बैलेंस शीट (तुलन पत्रक) और उस दिन समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियाँ भुगतान खाता, लेखांकन नीतियां और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी शामिल है।

हमारी राय में और सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें प्रस्तुत किये गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त 31 मार्च 2021 के वित्तीय विवरण पर संस्थान के मामलों की स्थिति के भारतवर्ष स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक योग्य और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं तथा इस वर्ष के लिए इसका अधिशेष उसी दिन समाप्त हो गया।

अभिमत का आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी लेखा-परीक्षण पर मानकों के अनुसार वित्तीय विवरणों का अपना लेखा-परीक्षण किया। उन मानकों के तहत हमारी दायित्वों को आगे हमारी रिपोर्ट के 'वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की दायित्व' इस अनुच्छेद में वर्णित किया गया है। हम आईसीएआई द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार संस्थान से स्वतंत्र हैं और हमने आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हम मानते हैं कि हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है वह वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंध के दायित्व'

प्रबंध इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए जिम्मेदार है जो आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों सहित भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार संस्थान की वित्तीय स्थिति और वित्तीय प्रदर्शन का एक सही और निष्पक्ष दृश्य देता है।

इन दायित्वों में संस्थान की संपत्ति की सुरक्षा के अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाना; उपयुक्त लेखा नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो जिम्मेदार और विवेकपूर्ण हों; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम करना, वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक जो एक सही और निष्पक्ष दृश्य देना और भौतिक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण, इनसे मुक्त रखना, आदि. शामिल है।

वित्तीय विवरण तैयार करने में, प्रबंध यह संस्थान कार्यरत संस्था के रूप में आगे बढ़ने मे उसकी क्षमता का आकलन करना, प्रकटीकरण, जैसा लागू हो, वर्तमान मामलो से संबंधित मामलों और लेखांकन के विचारों का आधार का उपयोग करने के लिए जिम्मेदार है, जब तक कि प्रबंधन या तो इसे समाप्त करने का निश्चय नहीं रखता है या नहीं संचालन बंद कर दें, या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प नहीं हो। प्रबंध यह संस्थान की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए उत्तरदायी है।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की दायित्व

हमारा उद्देश्य यह है की इस संबंध में उचित आश्वासित होना कि क्या समग्र रूप से वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरण, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, इनसे मुक्त हैं, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जिसमें हमारा अभिमत शामिल है। उचित आश्वासन यह केवल उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह प्रत्याभूति नहीं है कि लेखा-परीक्षण मानकों के अनुसार एक लेखापरीक्षा मे गलत विवरण का पता लगाना है। गलत विवरण यह धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें महत्वपूर्ण माना जाता है यदि, व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से, इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की यथोचित अपेक्षा की जा सकती है।

लेखा-परीक्षण मानकों के अनुसार लेखा-परीक्षण के भाग के रूप में, हम विशेषज्ञ निर्णय लेते हैं और पूरे लेखा-परीक्षण में विशेषज्ञ संदेह बनाए रखते हैं। हम निम्न भी कार्य करते है;

- वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों को पहचाना और उनका आकलन करना, चाहे वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, उन जोखिमों के लिए लेखा-परीक्षण प्रक्रियाओं को डिज़ाइन और निष्पादित करें, और लेखा-परीक्षण साक्ष्य

प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले एक से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, अंतर्राष्ट्रीय चूक, अयोग्य व्याख्या या आंतरिक नियंत्रण के कारण हो सकता है।

- लेखा-परीक्षण प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखा-परीक्षण से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करें जो परिस्थितियों में उपयुक्त हों, लेकिन संस्थान के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर राय व्यक्त करने के उद्देश्य से नहीं।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंध द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित प्रकटीकरण की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करना।
- लेखांकन के वर्तमान संस्थान के आधार पर प्रबंध के उपयोग की उपयुक्तता पर और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर निष्कर्ष निकालें कि क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई सामग्री अनिश्चितता मौजूद है जो संस्थान की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह निर्माण कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि एक भौतिक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटीकरण पर ध्यान आकर्षित करना होगा या, यदि ऐसे खुलासे अपर्याप्त हैं, तो अपनी राय को संशोधित करने के लिए। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा-परीक्षण साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाओं या परिस्थितियों के कारण संस्थान एक वर्तमान चिंता के रूप में जारी रहना बंद कर सकता है।

हम अन्य मामलों के अलावा, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के संबंध में प्रबंधन के साथ संवाद करते हैं, जिसमें आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियां शामिल हैं जिन्हें हम अपनी लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम प्रबंध को एक बयान भी प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों के बारे में संवाद करने के लिए जो हमारी स्वतंत्रता पर उचित रूप से, जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपायों पर विचार कर सकते हैं।

अन्य नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

इसके अलावा, हम सुचित करते हैं कि:

क- हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

ख- हमारी राय में आईआईएम अधिनियम और एमएचआरडी द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार उचित खाते की पुस्तकें, जहां तक उन पुस्तकों की हमारी परीक्षा से पता चलता है, वह संस्थान द्वारा रखी गई हैं।

ग- इस रिपोर्ट द्वारा निर्णयित किए गए बैलेंस शीट और आय और व्यय का विवरण खाते की पुस्तकें के अनुरूप है।

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी के लिए
सनदी लेखाकार
फर्म पं. सं. 006711एन/एन500028

बृजेश ठक्कर
पार्टनर
सदस्यता संख्या 135556
यूडीआईएन: 21135556AAAAHO5703

स्थान: अहमदाबाद
दिनांक: 23/06/2021

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

मार्च 31,2021 पर बैलेंस शीट **(रुपयों मे)**

निधि के स्रोत	**अनुसूची**	**31.03.2021 को**	**31.03.2020 को**
संचित/पूंजी निधी	1	1,10,34,24,187	1,25,58,59,233
नियुक्त/ निर्धारित/ बंदोबस्त निधी	2	2,25,000	-
जमानती ऋण	3	1,00,78,92,816	20,81,73,354
वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान	4	79,97,04,329	64,76,60,816
कुल		**2,91,12,46,332**	2,11,16,93,403
निधि अनुप्रयोग	**अनुसूची**	**वर्तमान वर्ष**	**पिछला वर्ष**
अचल संपत्ति			
मूर्त संपत्ति	5	26,78,03,828	89,55,31,058
अमूर्त संपत्ति	5	3,14,73,399	2,31,15,611
पूंजी कार्य - प्रगति पर	5	23,20,02,530	69,53,951
निवेश -निर्धारित / दान निधि से			
दीर्घावधि	6	59,66,05,693	34,14,25,689
वर्तमान संपत्ति	7	53,09,78,633	58,69,00,782
ऋण, अग्रिम और जमा	8	1,25,23,82,249	25,77,66,312
कुल		**2,91,12,46,332**	2,11,16,93,403
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	24		
आकस्मिक देयताएं और खातों के लिए टिपणी	25		

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी के लिए
फर्म पं. सं. 006711एन/एन500028
सनदी लेखाकार

बृजेश ठक्कर
पार्टनर
सदस्यता संख्या 135556
दिनांक :23/06/2021
स्थान :अहमदाबाद

प्रो. आर नागराजन
निदेशक, आईआईएम-अमृतसर

लक्ष्मणदेव गोहील
परामर्शदाता, वित्त एवं लेखा

सतनाम सिंह
लेखापाल

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता (रुपयों मे)

विवरण	**अनुसूची**	**2020-21**	**2019-20**
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	21,93,56,821	13,63,68,761
अनुदान / सब्सिडी	10	20,53,54,857	13,02,45,174
निवेश से आय	11	60,52,828	35,92,284
अर्जित ब्याज	12	4,91,457	30,914
अन्य आय	13	32,15,132	14,77,351
पूर्व अवधि की आय	14	-	9,503
कुल (क)		**43,44,71,095**	**27,17,23,987**
व्यय			
स्टाफ भुगतान और लाभ	15	8,03,41,268	4,53,26,868
शैक्षणिक व्यय	16	4,20,56,442	3,24,18,155
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	6,38,67,066	5,15,13,925
परिवहन व्यय	18	14,95,876	32,63,712
दुरुस्ती और रखरखाव	19	1,32,94,149	1,18,66,563
मूल्यह्रास/ परिशोधन	20	4,97,10,663	2,68,91,329
वित्तीय खर्च	21	43,919	13,756
अन्य खर्च	22	-	30,00,000
पूर्व अवधि के व्यय	23	86,97,771	21,95,114
कुल (ख)		**25,95,07,153**	**17,64,89,421**
व्यय से आय की अधिकता का शेष (क-ख)		**17,49,63,941**	**9,52,34,567**
पूंजी निधि खाते से मूल्यह्रास)अचल संपत्ति (का हस्तांतरण	1	4,97,10,663	2,68,91,329
बैलेंस शीट में आय और व्यय खाते में वहन किया जा रहा अधिशेष		**22,46,74,604**	**12,21,25,895**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
खातों के लिए टिपणी	25		

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी के लिए
फर्म पं. सं. 006711एन/एन500028
सनदी लेखाकार

बृजेश ठक्कर
पार्टनर
सदस्यता संख्या 135556

दिनांक : 23/06/2021
स्थान :अहमदाबाद

प्रो. आर नागराजन
निदेशक, आईआईएम-अमृतसर

लक्ष्मणदेव गोहील
परामर्शदाता, वित्त एवं लेखा

सतनाम सिंह
लेखापाल

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता (रुपयों मे)

रसीद	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
I. प्रारम्भिक शेष	-	-	I. व्यय		
क. नकद शेष	-	-	क. आस्थापना व्यय	4,93,98,187	3,22,78,964
ख. बैंक शेष	-	-	ख. शैक्षणिक व्यय	2,15,38,396	1,84,80,471
i. रोकड़ खाते मे	-	-	ग. प्रशासनिक व्यय	53,72,342	74,16,512
ii. जमा खाते मे	-	-	घ. परिवहन व्यय	3,25,507	8,84,974
iii. बचत खाते मे	33,11,709	7,92,31,736	ङ. दुरुस्ती और रखरखाव	13,11,331	10,96,390
iv. स्व-सावधि जमा खाते मे (स्वाइप इन / स्वाइप आउट)	23,28,20,864	-	च. पूर्व अवधि के व्यय	86,97,771	13,39,905
v. निलंबित खाते मे	35,06,20,710	-	छ. वित्तीय लागत	43,919	13,756
ग. शेष स्टैम्प	-	-	II. प्रायोजित परियोंजना / योजना के लिए व्यय	13,38,981	1,80,065
II. प्राप्त अनुदान			III. शेड्यूल बैंक मे सावधि जमा	40,10,00,000	41,99,25,689
क. भारत सरकार से	18,15,00,000	24,54,00,000	IV. अचल संपत्ति एवं प्रगत पूंजी कार्य पर व्यय		
ख. एचईएफए ऋण शिक्षा मंत्रालय से	37,98,41,437	35,06,20,746	क. अचल संपत्ति	4,81,46,420	42,17,932
ग. राज्य सरकार से	-	-	ख. प्रगत पूंजी कार्य	91,805	-
घ. अन्य स्त्रोतों से	-	-	V. अन्य व्यय (सांविधिक व्यय सहित)	2,78,66,774	1,19,33,895
III. शैक्षिक प्राप्तियाँ	23,44,43,805	13,59,42,931	VI. स्थायी परिसर हेतु एचईएफए से ऋण		
IV. प्रायोजित परियोंजना / योजना के लिए प्राप्तियाँ	89,30,242	5,05,931	क. मूलधन अदायगी	34,83,10,000	-
V. इनपर अर्जित ब्याज			ख. ब्याज अदायगी	2,45,43,149	-
क. बैंक जमा	1,34,32,565	3,45,19,978	VI. जमा एवं अग्रिम		
ख. ऋण एवं अग्रिम	-	-	क. सुरक्षा जमा राशि	9,56,135	-
ग. बचत खाता	4,91,457	84,721	ख. जमानती राशि	28,50,000	23,75,000
VI.शेड्यूल बैंक मे सावधि जमा	16,34,37,863	36,37,00,000	VII. अन्य व्यय		

VII. अन्य आय			क. विविध देनदार एवं अन्य दायित्व मे बढ़त	10,44,48,537	12,53,26,272
क. भूमि एवं भवन से आय	1,920	-	ख. कर्मियों को अग्रिम (निवल)	3,84,926	20,91,105
ख. पूर्वावधि के साथ अन्य आय	55,05,516	23,931	VIII. समापन शेष		
VIII. जमा एवं अग्रिम			क. नकद शेष	-	-
क. प्राप्त जमानती राशि	1,80,000	37,74,000	ख. बैंक शेष		
ख. सुरक्षा जमा राशि	24,19,095	-	i. रुपया खाता	-	-
IX. फुटकर प्राप्तियां	3,25,822	2,50,237	ii. जमा खाता	-	-
X. अन्य प्राप्तियां			iii. बचत खाता	92,70,483	33,11,709
ख. संपत्ति की बिक्री	3,39,808	2,60,000	iv. स्व-सावधि जमा खाता (स्वाइप इन / स्वाइप आउट)	16,28,08,283	23,28,20,864
			v. निलंबित खाता	35,88,99,867	35,06,20,710
			ग. शेष स्टैम्प		
कुल	**1,57,76,02,812**	**1,21,43,14,211**	**कुल**	**1,57,76,02,812**	**1,21,43,14,211**

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी के लिए
फर्म पं. सं. 006711एन/एन500028
सनदी लेखाकार

बृजेश ठक्कर
पार्टनर
सदस्यता संख्या 135556

दिनांक : 23/06/2021
स्थान :अहमदाबाद

प्रो. आर नागराजन
निदेशक, आईआईएम-अमृतसर

लक्ष्मणदेव गोहील
परामर्शदाता, वित्त एवं लेखा

सतनाम सिंह
लेखापाल

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची '1' : संचित / पूंजी निधि

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2021 को	31.03.2020 को
क.	**संचित निधि**		
	वर्ष की शुरवात मे शेष	33,02,58,614	19,40,53,133
	निधि में योगदान जोड़ें		
	क. आय और व्यय खाते से हस्तांतरित अतिरिक्त आय राशि	22,46,74,604	12,21,25,895
	ख. संचित निधि निवेश पर अर्जित ब्याज	1,72,11,213	1,40,79,585
	वर्ष के अंत मे शेष -क	57,21,44,431	33,02,58,614
ख.	**पूंजी निधि**		
	वर्ष की शुरवात मे शेष	92,56,00,619	10,82,29,337
	जोडे: पूंजी निधि हस्तांतरित आय		
	क. पूंजीगत व्यय के लिए उपयोगीता सीमा तक भारत सरकार से अनुदान	30,94,65,368	6,85,12,741
	ख. दान की गई संपत्ति / प्राप्त उपहार	-65,36,61,900	77,61,56,360
	कम: पूंजी निधि हस्तांतरित व्यय		
	1. वर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाला गया मूल्यह्रास	4,97,10,663	2,68,91,329
	2. पूंजी निधि से परिसंपत्ति की बिक्री	4,13,669	4,06,491
	वर्ष के अंत मे शेष -ख	**53,12,79,756**	**92,56,00,619**
	कुल योग क+ख	**1,10,34,24,187**	**1,25,58,59,233**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर
अनुसूची 2-नामित / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि

(रुपयों मे)

क्र .सं.	**विवरण**	**फंड वार गोलमाल डोनेशन फंड छात्र छात्रवृत्ति**	**संपूर्ण**
क.		-	-
क)	प्रारंभिक शेष	2,25,000	2,25,000
ख)	वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-
ग)	निधियों से किए गए निवेश से आय	-	-
घ)	निवेश/अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	-
च)	बचत बैंक खाते पर ब्याज	-	-
छ	अन्य खाते (यदि कोई हो)	-	-
	कुल (क)	**2,25,000**	**2,25,000**
ख.	निधियों के उद्देश्य के प्रति उपयोग/व्यय		
क)	पूंजीगत व्यय	-	-
ख)	राजस्व व्यय	-	-
	कुल (ख)	-	-
	पिछले वर्ष कुल	-	-
	वर्ष के अंत में समापन शेष (क) - (ख)	**2,25,000**	**2,25,000**
	पिछले वर्ष का समापन शेष	-	-
	द्वारा प्रतिनिधित्व करें	01-04-2020 को शेष	31-03-2021 को शेष
	नकद और बैंक बैलेंस	-	-
	निवेश	-	-
	ब्याज उपार्जित लेकिन देय नहीं	-	-

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची '3' : जमानती ऋण

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31-03-2021 को	31-03-2020 को
1	उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (HEFA) से ऋण	1,00,78,92,816	20,81,73,354
	कुल योग	**1,00,78,92,816**	20,81,73,354

टिप्पणी

1. संस्थान ने एचईएफए के साथ 8.5% की ब्याज दर पर 348.31 करोड़ रुपये के कुल संवितरण के लिए सावधि ऋण समझौता किया है, जो कि 10 वर्षों की ऋण अवधि में संशोधन के अधीन है। (चालू वर्ष आरओआई 7.85% प्रति वर्ष था)
2. स्थायी परिसर के निर्माण के लिए ऋण लिया गया है।
3. एचईएफए ने ऋण से सृजित सभी चल संपत्तियों पर प्रभार पर ऋण, प्राप्य शुल्क पर शुल्क, प्राप्य अनुदान, एस्क्रो बैंक 3 प्राप्य और अन्य सभी संपत्ति (यदि कोई हो) ऋण से और बाहर खरीदी गई है, जैसा कि विशेष रूप से वर्णित है समझौता ।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 4: वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान

(रुपयों मे)

विवरण	31.03.2021 को	31.03.2020 को
क .वर्तमान देनदारियाँ		
1. छात्रों से जमा	89,95,000	63,24,000
2. अन्य जमा (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	15,21,456	3,92,016
3. विविध लेनदार	-	-
वस्तुएं और सेवाएं	72,45,406	49,48,643
अन्य (पूंजीगत कार्यों के लिए)	2,71,65,777	1,63,89,640
4. वैधानिक देनदारियाँ		-
कालातीत देय	5,365	58,374
अन्य	38,71,073	28,72,073
5. अर्जित ब्याज लेकिन एचईएफए ऋण पर देय नहीं	1,82,71,868	-
6. अन्य वर्तमान देनदारियाँ		
वेतन	59,84,418	35,21,551
प्रायोजित परियोजनाओं/कार्यक्रमों पर रसीद (अनुसूची-4क)	19,89,469	2,40,617
प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति के खिलाफ रसीदे (अनुसूची-4ख)	58,59,500	-
अप्रयुक्त अनुदान (अनुसूची-4 ग)	68,25,63,098	60,28,90,079
छात्र खाता	1,28,92,969	24,89,710
अन्य देनदारियाँ	50,41,587	63,81,971
कुल (क)	**78,14,06,987**	**64,65,08,675**
ख .प्रावधान		
1. संचित अवकाश नकदीकरण	17,06,181	4,90,235
2. ग्रेच्युटी	21,91,265	6,61,906
3. खर्च का प्रावधान	1,43,99,896	-
कुल (ख)	**1,82,97,342**	**11,52,141**
कुल (क+ख)	**79,97,04,329**	**64,76,60,816**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 4क: प्रायोजित परियोजना/कार्यक्रम

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31-03-2020 को शेष		वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान	31-03-2021को शेष	
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
1.	अनुकूलित शिक्षा और कार्यक्रम	2,40,617	-	64,91,633	47,42,781	19,89,469	-
2.	परामर्श परियोजना	-	-	14,40,000	14,40,000	-	-
	कुल	2,40,617	-	**79,31,633**	**61,82,781**	**19,89,469**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 4ख: प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति के खिलाफ रसीदे

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	01-04-2020 को शेष		वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान	31-03-2021 को शेष	
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
1.	केन्द्रीय सरकार	-	-	3,50,000	3,50,000	-	-
2.	आईआईएम अमृतसर	-	-	58,59,500	-	58,59,500	-
	कुल	-	-	**62,09,500**	**3,50,000**	**58,59,500**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 4ग: प्रायोजित परियोजना/कार्यक्रम

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31-03-2020 को शेष	वर्ष के दौरान प्राप्ति	ब्याज	राजस्व व्यय के लिए उपयोजीत	पूंजीगत व्यय के लिए उपयोजीत	31-03-2021 को शेष
1	योजना अनुदान: भारत सरकार (ओएच31 - सामान्य)	-	13,97,00,000	-	-13,97,00,000	-	-
2.	योजना अनुदान: भारत सरकार (ओएच35 - पूंजीगत संपत्ति)	11,69,57,125	-	38,78,969	-	-8,20,59,889	3,87,76,205
3.	योजना अनुदान: भारत सरकार (ओएच36 - वेतन)	13,53,12,208	4,18,00,000	70,60,966	-6,56,54,857	-	11,85,18,317
4.	एचईएफए ऋण चुकौती के लिए भारत सरकार से अनुदान (अनुसूची 4 देखें)	35,06,20,764	34,84,00,000	88,68,946	-	-18,26,25,576	52,52,64,116
5.	एचईएफए ऋण के ब्याज भुगतान के लिए एमएचआरडी से अनुदान	-	4,47,79,903	4,460	-	-4,47,79,903	4,460
कुल		60,28,90,079	57,46,79,903	1,98,13,341	-20,53,54,857	-30,94,65,368	68,25,63,098
पिछला वर्ष		19,42,97,023	59,42,83,383	1,35,50,972	-13,02,45,174	-6,89,96,124	60,28,90,079

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 5: अचल संपती (योजना)

(रुपयों मे)

क्र. सं.	संपत्ति का नाम	कुल संपत्तियाँ				मूल्यह्रास				निवल संपत्तियाँ	
		31.03.2020 को	जोड़	घटाव	31.03.2021 को	31.03.2020 को	वर्ष के लिए	घटाव	31.03.2021 को	31.03.2021 को	31.03.2020 को
1	संपूर्ण स्वामित्व वाली भूमि (निम्न टिपणी देखे)	**77,61,56,360**	-	**65,36,61,900**	12,24,94,460	-	-	-	-	12,24,94,460	77,61,56,360
2	भवन	**7,20,23,510**	19,71,941	-	**7,39,95,451**	**14,40,470**	43,66,837	-	58,07,307	6,81,88,144	7,05,83,040
3	विद्युत इन्स्टालेशन और उपकरण	**67,80,038**	8,26,873	-	**76,06,911**	**4,61,081**	3,79,423	-	8,40,504	67,66,407	63,18,957
4	संयंत्र और मशीनरी	48,64,965	18,02,320	-	66,67,285	3,90,282	3,33,364	-	7,23,646	59,43,639	44,74,683
5	कार्यालय के उपकरण	14,65,805	30,44,027	-	45,09,832	2,79,428	3,36,880	-	6,16,308	38,93,524	11,86,377
6	दृश्य-श्रव्य उपकरण	56,55,643	51,01,246	-	1,07,56,889	10,23,690	8,06,764	-	18,30,454	89,26,435	46,31,953
7	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	1,56,81,664	3,01,19,175	**93,658**	4,57,07,181	85,15,285	80,71,215	**18,632**	1,65,67,768	2,91,39,413	71,66,379
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	73,68,467	8,64,223	-	82,32,690	17,95,945	6,17,450	-	24,13,395	58,19,295	55,72,522
9	वाहन	93,61,986	-	6,77,486	86,84,500	30,77,562	8,68,448	3,68,743	36,07,267	50,77,233	62,84,424

10	पुस्तकालय की किताबें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	1,72,12,865	35992	-	1,72,48,857	41,14,628	17,24,888	-	58,39,516	1,14,09,341	1,30,98,237
11	अन्य अचल संपत्ति	1,03,933	87759	-	1,91,692	45,807	-53	-	45,754	1,45,938	58,126
	कुल (क)	**91,66,75,236**	**4,38,53,556**	**65,44,33,044**	**30,60,95,748**	**2,11,44,178**	**1,75,05,217**	**3,57,475**	**3,82,91,920**	**26,78,03,828**	**89,55,31,058**
	पिछला वर्ष	3,99,57,227	87,73,95,494	6,77,485	91,66,75,236	1,25,04,095	89,11,077	2,70,994	2,11,44,178	89,55,31,058	2,74,53,132

12	पूंजी का कार्य प्रगति पर (ख)	69,53,951	22,92,89,530	42,40,951	23,20,02,530	-	-	-	-	23,20,02,530	69,53,951
	पिछला वर्ष	7,53,57,622	41,61,610	7,25,65,281	69,53,951	-	-	-	-	69,53,951	7,53,57,622

क्र. सं.	**अमूर्त संपत्ति**	**कुल संपत्तियाँ**				**मूल्यह्रास**				**निवल संपत्तियाँ**	
		31-03-2020 को	**जोड़**	**घटाव**	**31-03-2021 को**	**31-03-2020 को**	**वर्ष के लिए**	**घटाव**	**31-03-2021 को**	**31-03-2021 को**	**31-03-2020 को**
13	ई-पत्रिकाएं	4,32,83,463	**3,87,81,448**	-	**8,20,64,911**	2,12,86,350	3,06,96,682	-	5,19,83,032	3,00,81,879	2,19,97,113
14	सॉफ्टवेयर	55,19,700	17,81,786	-	73,01,486	44,01,202	15,08,764	-	59,09,966	13,91,519	11,18,498
	कुल (ग)	**4,88,03,163**	**4,05,63,234**	-	**8,93,66,397**	**2,56,87,553**	**3,22,05,446**	-	**5,78,92,998**	**3,14,73,399**	**2,31,15,611**
	पिछला वर्ष	1,31,25,884	3,56,77,279	-	4,88,03,163	77,07,301	1,79,80,252	-	2,56,87,553	2,31,15,611	54,18,583

	कुल योग (क+ख+ग)	**97,24,32,350**	**31,37,06,320**	**65,86,73,995**	**62,74,64,675**	**4,68,31,730**	**4,97,10,663**	**3,57,475**	**9,61,84,918**	**53,12,79,757**	**92,56,00,619**
	पिछला वर्ष	12,64,40,733	91,72,34,382	7,32,42,766	97,24,32,350	2,02,11,396	2,68,91,329	2,70,994	4,68,31,730	92,56,00,619	10,82,29,337

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2021 को	31.03.2020 को
1	**दीर्घावधि**		
	बैंकों और एनबीएफसी में सावधि जमा	59,66,05,693	6,15,00,000
2	**अल्पावधि**		
	बैंकों और एनबीएफसी में सावधि जमा		27,99,25,689
	कुल	**59,66,05,693**	**34,14,25,689**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 7: वर्तमान संपत्ति

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31.03.2021 को	31.03.2020 को
1	**विविध (संड्राय) देनदार**		
	क. छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
	ख. अन्य	-	1,47,500
2	**नकद और बैंक शेष**		
	क. शेड्यूल्ड बैंकों के साथ:		
	ऑटो एफडी खातों में (स्वाइप इन / स्वाइप आउट)	16,28,08,283	23,28,20,864
	एस्क्रो खाते मे		
	- ऑटो एफडी खातों में सिद्धांत पुनर्भुगतान	35,88,37,030	-
	- एचईएफए ऋण मूल वापसी भुगतान	58,377	35,06,20,409
	- एचईएफए ऋण ब्याज वापसी भुगतान	4,460	301
		92,70,483	33,11,709
	बचत खाते मे	**53,09,78,633**	**58,67,53,282**
	ख. नकद शेष	**-**	**-**
	कुल	**53,09,78,633**	**58,69,00,782**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 8 : ऋण, अग्रिम और जमा

(रुपयों मे)

क्र. सं.	विवरण	31-03-2021 को		31-03-2020 को	
1	**कर्मचारियों को अग्रिम (ब्याज रहित)**				
	क. यात्रा अग्रिम	-			
	ख. वेतन	-	-	1,50,202	1,50,202
	ग. छात्र	-		-	
				-	
2	**अग्रिम और अन्य राशियाँ नकद में या किफ़ायत में प्राप्त करने के लिए पुनर्प्राप्त करने योग्य**				
		3,71,59,731		1,93,76,898	
	क. पूंजी खाते पर (सरकार से प्राप्य)	68,73,660		49,36,219	
	ख. आयकर कानून के अंतर्गत प्राप्य टीडीएस	1,01,15,532	5,41,48,923	75,94,499	3,19,07,616
	ग. प्रदायक से प्राप्य				
3	**पूर्वदात व्यय**				
		13,25,989		5,90,922	
	क. बीमा	53,54,666	66,80,655	9,04,776	14,95,698
	ख. अन्य व्यय				
4	**जमा**				
	क. दूरध्वनी जमा				
	ख. विद्युत जमा	22,310		22,310	
	ग. किराया जमा	6,95,218		6,95,218	
	घ. स्थायी परिसर के निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी के पास जमा	56,88,000	1,17,99,82,868	41,98,000	21,58,94,018
	ङ. अन्य सुरक्षा जमा	1,17,35,77,240		20,82,81,716	
		100		26,96,774	
5	**अर्जित आय**				
	निवेश पर अर्जित निवेश		1,15,69,803	83,18,778	83,18,778
		1,15,69,803			
	कुल		**1,25,23,82,249**		**25,77,66,312**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 9 : शैक्षणिक प्राप्तियां

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
छात्रों से शुल्क		
शैक्षणिक		
1. शिक्षा शुल्क	**14,59,58,020**	**9,45,38,929**
2. शैक्षणिक सहायता	4,26,11,553	2,73,59,999
3. छात्र गतिविधियों और स्वास्थ्य	56,40,291	39,70,667
4. आवेदन शुल्क	39,19,000	24,85,500
कुल (क)	**19,81,28,864**	**12,83,55,095**
परीक्षा–		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क – सीएटी (निवल)	48,77,436	-
कुल (ख)	**48,77,436**	**-**
अन्य शुल्क –		
1. छात्रावास (रुम किराया)	**1,19,50,000**	**73,46,666**
2. विविध आय	**1,46,310**	**2,02,170**
कुल (ग)	**1,20,96,310**	**75,48,836**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
(क) एक्सिक्यूटिव शिक्षा कार्यक्रम		
1. अनुकूलित एक्सिक्यूटिव शिक्षा कार्यक्रम हेतु पंजीकरण शुल्क	**42,54,211**	**4,64,830**
कुल (ङ)	**42,54,211**	**4,64,830**
कुल योग (क+ख+ग+ङ)	**21,93,56,821**	**13,63,68,761**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 10: अनुदान / सब्सिडी (प्राप्त अपरिवर्तनीय अनुदान) (रुपयों मे)

विवरण	योजना					कुल योजना 2020-2021	यूजीसी गैर-योजना	कुल 2020-2021	कुल 2019-2020
	भारत सरकार								
	ओएच'31	ओएच'35	ओएच'36	एचईएफए ऋण का मूलधन चुकौती	एचईएफए ऋण का ब्याज चुकौती				
अग्रेषित शेष	-	11,69,57,125	13,53,12,208	35,06,20,746	-	60,28,90,079	-	60,28,90,079	19,42,97,023
जोड़े: वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान	13,97,00,000	-	4,18,00,000	34,84,00,000	4,47,79,903	57,46,79,903	-	57,46,79,903	59,42,83,383
जोड़े: वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	-	38,78,969	70,60,966	88,68,946	4,460	1,98,13,341	-	1,98,13,341	1,35,50,972
कूल	**13,97,00,000**	**12,08,36,094**	**18,41,73,174**	**70,78,89,692**	4,47,84,363	**1,19,73,83,324**	-	**1,19,73,83,324**	**80,21,31,378**
घटाए: वापसी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
शेष	**13,97,00,000**	**12,08,36,094**	**18,41,73,174**	**70,78,89,692**	4,47,84,363	**1,19,73,83,324**	-	**1,19,73,83,324**	**80,21,31,378**
घटाए: पूंजी व्यय के लिए उपयोग (क)	-	(8,20,59,889)	-	(18,26,25,576)	4,47,79,903	(30,94,65,368)	-	(30,94,65,368)	(6,89,96,124)
शेष :	**13,97,00,000**	**3,87,76,205**	**18,41,73,174**	52,52,64,116	4,460	**88,79,17,955**	-	**88,79,17,955**	**73,31,35,253**
घटाए: राजस्व व्यय के लिए उपयोग (ख)	(13,97,00,000)	-	(6,56,54,857)	-	-	(20,53,54,857)	-	(20,53,54,857)	(13,02,45,174)
अग्रेनीत शेष (ग)	-	**3,87,76,205**	**11,85,18,317**	52,52,64,116	4,460	**68,25,63,098**	-	**68,25,63,098**	**60,28,90,079**

क. वर्ष के दौरान पूंजीगत निधि तथा अचल संपत्तियों मे अतिरिक्त जोड़ के रूप में प्रकट होता है।

ख. आय एवं व्यय खातों में आय के रूप में प्रकट होता है।

ग. (i) बैलेंस शीट में वर्तमान दायित्व के तहत दिखाई देता है और वह अगले वर्ष अग्रेषित शेष बन जाएगा।

(ii) संपत्ति मे बैंक शेष, निवेश और अग्रिम द्वारा उल्लेखित किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 11: अर्जित ब्याज

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
1. सावधि जमा पर ब्याज	3,42,73,383	2,90,02,095
कुल	**3,42,73,383**	**2,90,02,095**
घटाए		
1. अनुदान खाते से हस्तांतरित	1,09,39,935	1,13,30,226
2. संचित निधि से हस्तांतरित	1,72,11,213	1,40,79,585
3. सेवानिवृत्ति लाभ निधि में स्थानांतरित	69,407	-
कुल	**2,82,20,555**	**2,54,09,811**
कुल	**60,52,828**	**35,92,284**

अनुसूची 12: अर्जित ब्याज

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
1. शेड्यूल बैंक के बचत खातों पर	4,91,457	30,914
कुल	**4,91,457**	**30,914**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 13: अन्य आय

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. छात्रावास खोली किराया	1,920	12,297
कुल क.	**1,920**	**12,297**
ख. अन्य		
1. प्रायोजन आय	6,30,000	8,43,000
2. आयकर वापसी पर आय	83,580	15,984
3. अचल संपत्तियां की बिक्री	4,14,734	2,60,000
4. अन्य प्राप्तियाँ	6,44,898	3,46,070
5. परामर्श से आय	14,40,000	-
कुल ख.	**32,13,212**	**14,65,054**
कुल क + ख	**32,15,132**	**14,77,351**

अनुसूची 14: पूर्व अवधि आय

(रुपयों मे)

विवरण	2020-2021	2019-20
1. शैक्षणिक प्राप्तियाँ (छात्र से वसूला गया जुर्माना)	-	7,878
2. अर्जित ब्याज	-	1,625
कुल	**-**	**9,503**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 15: कर्मचारी भुगतान और लाभ (आस्थापना व्यय)

(रुपयों मे)

विवरण	शैक्षिक	अशैक्षिक	अविनिधानीय	2020-21	2019-20
गैर योजना					
क) वेतन और मजदूरी (वेतन संशोधन बकाया शामिल है)	3,58,44,067	2,18,72,779	-	5,77,16,846	3,46,93,345
ख) भत्ता और बोनस	96,57,696	5,75,822	-	1,02,33,518	47,04,300
ग) भविष्य निधि में योगदान	-	1,63,579	-	1,63,579	5,26,704
घ) सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ (अनुसूची 14क देखें)	60,59,391	12,80,444	-	73,39,835	38,45,353
ङ) चिकित्सा व्यय	32,074	43,119	-	75,193	45,346
च) मानदेय	8,20,000	2,70,000	-	10,90,000	12,74,820
छ) अन्य सुविधा भुगतान	6,28,236	53,350	-	6,81,586	-
कुल क	**5,30,41,464**	**2,42,59,093**	-	**7,73,00,557**	**4,50,89,868**
अन्य आस्थापना व्यय					
क) अनुकूलित शिक्षा कार्यक्रम	18,33,750	3,42,961	-	21,76,711	2,37,000
ख) परामर्श परियोजना	8,64,000	-		8,64,000	-
कुल ख	**26,97,750**	**3,42,961**	-	**30,40,711**	**2,37,000**
कुल	**5,57,39,214**	**2,46,02,054**	-	**8,03,41,268**	**4,53,26,868**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 15 क: सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ

(रुपयों मे)

विवरण	सेवानिवृत्ति	ग्रेच्युटी	छुट्टी के बदले भुगतान	2020-21	2019-20
1.04.2020 को प्रारंभिक शेष	-	6,61,906	4,90,235	11,52,141	-
जोड़े: निधि पर अर्जित ब्याज	-	40,988	28,418	69,407	-
कुल (क)	-	**7,02,894**	**5,18,653**	**12,21,548**	**-**
घटाए: वर्ष के दोरान वास्तविक भुगतान (ख)	-	-	76,085	76,085	-
31.03.2021 पर उपलब्ध शेष (क-ख)	-	7,02,894	4,42,568	11,45,463	-
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2020 को आवश्यक प्रावधान (ङ)	-	**21,91,265**	**17,06,181**	**38,97,446**	**11,52,141**
क. चालू वर्ष मे किया गया प्रावधान	-	**14,88,371**	**12,63,613**	**27,51,983**	**11,52,141**
ख. नई पेंशन योजना में योगदान	-	-	-	-	26,93,212
कुल क + ख + ग	-	**14,88,371**	**12,63,613**	**27,51,983**	**34,45,353**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 16: शैक्षणिक व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
गैर योजना		
क. शैक्षणिक व्यय		
क) क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी	-	1,00,000
ख) आगंतुक संकाय को भुगतान	1,06,99,168	88,90,000
ग) प्रवेश व्यय	26,93,714	58,22,516
घ) दीक्षांत व्यय	26,65,066	14,68,237
ङ) पुस्तक और केस सामग्री	94,57,473	25,94,596
च) चिकित्सा व्यय	10,89,048	7,01,547
छ) अन्य व्यय	87,237	92,972
ज) प्लेसमेंट व्यय	34,03,202	16,31,250
झ) पूर्व-छात्र व्यय	4,000	2,87,389
ञ) आतिथ्य व्यय (पीजीपी)	845	11,83,952
ट) छात्र गतिविधि व्यय	40,45,609	53,80,234
ठ) यात्रा व्यय	78,972	35,70,030
ड) प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी पीजीपी	30,022	5,53,507
ढ) आईटी इन्फ्रा खर्च	8,69,055	-
ण) मीन्स-कम-मेरिट स्कॉलरशिप	58,59,500	-
त) पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए वजीफा	6,06,731	-
कुल क	**4,15,89,642**	**3,22,76,230**
ख. परियोजना / शैक्षणिक व्यय		
क) प्रबंध विकास कार्यक्रम	4,66,800	1,41,925
कुल ख	**4,66,800**	**1,41,925**
कुल क + ख	**4,20,56,442**	**3,24,18,155**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 17: प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
गैर योजना		
क. संरचना		
क) बिजली और जल प्रभार	47,99,467	54,29,591
ख) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	3,22,85,842	2,44,60,694
कुल क	**3,70,85,309**	**2,98,90,285**
ख. संचार		
क) डाक एवं स्टेशनरी व्यय	80,107	84,193
ख) टेलीफोन, फ़ैक्स और इंटरनेट प्रभार	25,19,073	21,83,566
कुल ख	**25,99,180**	**22,67,759**
ग. अन्य		
क) प्रिंटिंग और स्टेशनरी	82,278	2,87,363
ख) यात्रा और कन्वेन्स व्यय	3,53,739	17,81,120
ग) आतिथ्य	3,74,643	9,61,659
घ) लेखापरीक्षक मानदेय (करों सहित)		
- लेखापरीक्षण शुल्क	4,13,000	1,18,000
- कराधान मामलों की ओर	-	2,95,000
ङ) पेशेवर / कानूनी प्रभार	95,07,328	61,45,595
च) विज्ञापन और प्रचार	16,83,020	13,34,210
छ) सुरक्षा शुल्क	67,45,278	56,29,992
ज) वृत्तपत्र और पत्रिकाएँ	28,073	1,22,150
झ) मानदेय भर्ती व्यय	2,39,600	1,88,600
ञ) अन्य व्यय	4,02,940	8,26,345
ट) संपत्ति बिक्री पर हानी	-	1,600
ठ) मानदेय भर्ती व्यय	24,500	5,33,709
ड) एचईएफए ऋण व्यय	300	1,50,000

ढ) शासी मंडल सभा व्यय	80,830	3,03,850
ण) संस्थान कार्य	4,54,629	-
त) संस्थान सदस्यत्व एवं अंशदान	37,89,720	6,76,688
कुल ग	**2,41,82,577**	**1,93,55,880**
कुल क + ख + ग	**6,38,67,066**	**5,15,13,925**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 18: परिवहन व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
गैर योजना		
1 वाहन		
क. चालू व्यय	4,88,726	8,14,547
ख. दुरुस्ती एवं रखरखाव	1,07,363	1,29,105
ग. वाहन बीमा	2,30,006	2,16,311
घ. वाहन किराया खर्च	6,69,781	20,97,849
ङ. अन्य परिवहन व्यय	-	5,900
कुल	**14,95,876**	**32,63,712**

अनुसूची 19: दुरुस्ती एवं रखरखाव

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
गैर योजना		
1 वाहन		
क. भवन	1,31,10,021	97,14,809
ख. फ़र्निचर एवं फिक्सचर	-	-
ग. कार्यालय उपकरण	13,62,021	13,65,766
घ. संगणक	6,18,917	7,59,928
ङ. इस्टेट रखरखाव	3,190	26,060
कुल	**1,32,94,149**	**1,18,66,563**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 20: मूल्यह्रास / परिशोधन

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
मूर्त संपत्ति पर मूल्यह्रास	1,75,05,217	89,11,077
अमूर्त संपत्ति पर परिशोधन	3,22,05,446	1,79,80,252
कुल	**4,97,10,663**	2,68,91,329

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 21: वितीय लागत

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
क. बैंक चार्ज	43,919	13,756
कुल	**43,919**	**13,756**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 22: अन्य व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
क. अपूरणीय शेष बट्टे खाते में (सीएटी शुल्क)	-	30,00,000
कुल		**30,00,000**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 23: पूर्ववधि व्यय

(रुपयों मे)

विवरण	2020-21	2019-20
क. पूर्ववधि व्यय	86,97,771	21,95,114
कुल	**86,97,771**	**21,95,114**

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 24: महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. **लेखा व्यवस्था**

भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा अधिसूचित लेखांकन और लेखा मानकों के प्रोद्भवन आधार पर ऐतिहासिक लागत व्यवस्था के तहत भारतीय सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (आई-जीएएपी) के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं।

वित्तीय विवरण बड़े पैमाने पर पर केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

2. **अनुमानों का उपयोग**

भारतीय जीएएपी के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंध को वित्तीय विवरणों की तारीख और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान रिपोर्ट की गई आय और व्यय की रिपोर्ट की गई परिसंपत्तियों और देनदारियों (आकस्मिक देनदारियों सहित) में अनुमान और अनुमान लगाने की आवश्यकता होती है।

प्रबंध का विश्वास है कि वित्तीय विवरण तैयार करने में उपयोग किए गए अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। लेखांकन अनुमान समय-समय पर बदल सकते हैं। वास्तविक परिणाम अनुमानित से भिन्न हो सकते हैं। अनुमानों में उचित परिवर्तन किए जाते हैं क्योंकि प्रबंध अनुमानों के आसपास की परिस्थितियों में परिवर्तन के संबंध में जागरूक हो जाता है। अनुमानों में परिवर्तन वित्तीय विवरणों में उस अवधि में परिलक्षित होते हैं जिसमें परिवर्तन किए जाते हैं और, यदि भौतिक हो, तो उनके प्रभावों को वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में प्रकट किया जाता है।

3. अचल सम्पत्ति

मूर्त संपत्ति

मूर्त अचल संपत्तियों को कम संचित मूल्यह्रास और हानि, यदि कोई हो, की लागत पर बताया गया है। अचल संपत्तियों के अधिग्रहण की लागत में माल वहन, शुल्क और कर और संपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित अन्य आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं और संपत्ति को इच्छित उपयोग के लिए अपनी कार्यशील स्थिति में लाना है।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-संचालन व्यय पूंजीकृत संपत्ति के मूल्य का भाग हैं।

उपहार/दान के माध्यम से प्राप्त अचल संपत्तियों को पूंजी निधि में संबंधित क्रेडिट द्वारा परिसंपत्ति के उचित मूल्य पर पूंजीकृत किया जाता है।

भारत सरकार से प्राप्त अनुदानों से सृजित आस्तियां, जहां ऐसी संपत्ति का स्वामित्व संस्था में निहित है, पूंजी कोष में क्रेडिट द्वारा स्थापित की जाती हैं, संस्थान की अचल संपत्तियों के साथ विलय कर दी जाती हैं।

अमूर्त संपत्ति

अमूर्त संपत्ति अधिग्रहण की लागत, कम संचित परिशोधन और हानि हानियों पर राज्य हैं। एक अमूर्त संपत्ति को मान्यता दी जाती है, जहां यह संभावना है कि परिसंपत्ति के कारण भविष्य के आर्थिक लाभ उद्यम में प्रवाहित होंगे और जहां इसके मूल्य / लागत को दृढ़ता से से मापा जा सकता है।

संस्थान ने सॉफ्टवेयर और संबंधित कार्यान्वयन लागतों को पूंजीकृत किया जहां यह उचित रूप से अनुमान लगाया गया है कि सॉफ्टवेयर का स्थायी उपयोगी कार्यकाल है।

4. मूल्यह्रास / परिशोधन

एमएचआरडी दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित मूल्यह्रास दरों के आधार पर सीधी रेखा पद्धति पर सभी मूर्त / अमूर्त संपत्तियों पर मूल्यह्रास प्रदान किया गया है।

अनुबंध की शर्तों और सीपीडब्ल्यूडी के साथ अग्रेषित संचार के अनुसार, संस्थान का स्थायी परिसर 31 मार्च 2023 को या उससे पहले उपयोग के लिए उपलब्ध होगा। तदनुसार, अस्थायी परिसर भवन पर मूल्यह्रास 31 मार्च 2023 तक भवन के उपयोगी जीवन का अनुमान लगाते हुए प्रदान किया गया है। इसलिए 1 अप्रैल 2020 को परिसंपत्ति का डब्ल्यूडीवी और चालू वित्त वर्ष में ब्लॉक में किए गए परिशोधन को 31 मार्च 2023 को समाप्त 3 वर्षों की अवधि में परिशोधित किया गया है।

पूंजीगत निधि से सृजित परिसम्पत्तियों के विरुद्ध प्रदान की गई मूल्यह्रास की सीमा तक पूंजीगत निधि को आय और व्यय खाते में परिशोधित किया जाता है।

5. निवेश

"दीर्घावधि निवेश" के रूप में वर्गीकृत निवेश लागत पर किए जाते हैं। अस्थायी के अलावा अन्य गिरावट का प्रावधान ऐसे निवेशों की लागत वहन करने में किया जाता है।

निवेश के अधिग्रहण पर प्रीमियम परिपक्वता की तारीख तक यथानुपात परिशोधित कर दिया गया है।

6. राजस्व मान्यता

छात्रों से शुल्क प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है। भूमि और भवन से आय, प्लेसमेंट शुल्क, अन्य विविध प्राप्तियां और निवेश पर ब्याज का हिसाब सटीक आधार पर किया जाता है।

वर्ष के अंत में एमडीपी परियोजनाओं से आय को संबंधित परियोजना के तहत वर्ष के दौरान किए गए व्यय की सीमा तक आय और व्यय खाते में मान्यता दी जाती है क्योंकि परियोजना से आय का संस्थान का हिस्सा और संकाय हिस्सा परियोजना के बंद होने तक निश्चित नहीं है।

दान, बीमा दावा प्राप्तियों और सीएटी शुल्क से योगदान रसीद के आधार पर लिया जाता है।

7. निवेश पर ब्याज

कॉर्पस निधि से निवेश पर ब्याज सीधे कॉर्पस निधि में जमा किया जाता है। निवेश पर अर्जित ब्याज जो कि कॉर्पस के लिए विशिष्ट नहीं है, उसके मासिक औसत शेष के आधार पर अप्रयुक्त सरकारी अनुदान के लिए आवंटित किया जाता है। खाते में आवंटन के बाद किसी भी अधिशेष ब्याज को आय और व्यय खाते में "ब्याज आय" के रूप में मान्यता दी जाती है।

8. ऋण लागत

ऋण लेने की लागत में ब्याज और अन्य लागतें शामिल होती हैं जो एक इकाई धन के उधार के संबंध में वहन करती है। लेखांकन मानकों 16 के अनुसार, किसी परिसंपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के कारण सीधे उधार लेने की लागत, जो आवश्यक रूप से अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार होने में पर्याप्त समय लेती है, संबंधित परिसंपत्ति की लागत के भाग के रूप में पूंजीकृत होती है। तदनुसार, संस्थान ने स्थायी परिसर के निर्माण के लिए एचईएफए से लिए गए ऋण से संबंधित 4.47 करोड़ रुपये के ब्याज को पूंजीकृत किया है।

9. विदेशी मुद्रा व्यवहार

विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्ग के व्यवहार का हिसाब लेन-देन की तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर किया जाता है। अवधि के दौरान निपटाए गए विदेशी मुद्रा लेनदेन के संबंध में शुद्ध विनिमय लाभ या हानि आय और व्यय खाते में मान्यता प्राप्त है।

10. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों का लेखा सरकारी विभाग से स्वीकृति के आधार पर किया जाता है।

विशिष्ट अचल संपत्तियों के संबंध में अनुदान को पूंजी अनुदान के रूप में माना जाता है।

विशिष्ट अचल संपत्तियों के संबंध में अनुदान पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है और जब खर्च किया जाता है। इसके बाद, इसे आय और व्यय खाते में परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर मान्यता दी जाती है यानी पूंजीगत निधि को उस अनुपात में आय के लिए आवंटित किया जाता है जिसमें मूल्यह्रास लगाया जाता है।

राजस्व व्यय को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदान (प्रोद्भवन के आधार पर) को उस वर्ष की आय के रूप में माना जाता है, जिस वर्ष उन्हें प्राप्त किया जाता है।

अप्रयुक्त अनुदानों को आगे बढ़ाया जाता है और बैलेंस शीट में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

11. प्रायोजित परियोजनाएं

वर्तमान प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को अन्य देयताओं - वर्तमान देयताओं शीर्ष के अंतर्गत चल रही प्रायोजक परियोजनाओं के लिए प्राप्ति शीर्ष में जमा किया जाता है। जब कभी व्यय किया जाता है/ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम भुगतान किया जाता है, संबंधित परियोजना खाते को डेबिट कर दिया जाता है।

12. सेवानिवृत्ति लाभ

सभी पात्र कर्मचारियों को परिभाषित लाभ योजना के तहत भविष्य निधि, एक परिभाषित योगदान योजना और ग्रेच्युटी और एनपीएस पेंशन योजना से लाभ मिलता है। कर्मचारियों को अवकाश नकदीकरण के रूप में अनुपस्थिति की भरपाई करने का भी अधिकार है।

भविष्य निधि और एनपीएस पेंशन में निर्धारित दरों पर नियमित अंशदान किया जाता है। कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी और संचित अवकाश का प्रावधान प्रोजेक्टेड यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करते हुए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

13. आयकर

संस्थान आयकर अधिनियम की धारा 10 (23सी) (iii एबी) के तहत आयकर छूट प्राप्त कर रहा है और इसलिए, खातों में आयकर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

14. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं और आकस्मिक संपत्तियां

पर्याप्त मात्रा में अनुमान लगाने वाले प्रावधानों को मान्यता दी जाती है जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होता है और यह संभव है कि संसाधनों का बहिर्वाह होगा। निपटान के लिए आवश्यक प्रावधानों की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है और दायित्व के वर्तमान सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए जहां आवश्यक हो वहां समायोजित किया जाता है।

जहां कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, एक प्रकटीकरण आकस्मिक देयता के रूप में किया जाता है। जहां एक संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व है जिसके संबंध में संसाधनों के बहिर्वाह की संभावना दूरस्थ है, कोई प्रावधान या प्रकटीकरण नहीं किया जाता है। आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी जाती है लेकिन एक टिपणी के माध्यम से खातों में प्रकट किया जाता है। वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्तियों को न तो मान्यता दी जाती है और न ही प्रकट किया जाता है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अमृतसर

अनुसूची 25: खातों के लिए अन्य नोट/टिपणी

1. आकस्मिक देयताएं

क- संस्थान को निर्धारण वर्ष 2017-18 से संबंधित निर्धारण अधिकारी, डीसीआईटी छूट, चंडीगढ़ से **7.30 करोड़** रुपये की धारा 156 के तहत मांग आदेश निर्धारण वर्ष 2019-20 में प्राप्त हुआ है। संस्थान ने उक्त आदेश के विरुद्ध सीआईटी-अपील (राष्ट्रीय अप्रत्यक्ष अपील केंद्र) में अपील दर्ज की है।

ख- संस्थान के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया

रु. शून्य (पिछले वर्ष रु. शून्य)

ग- संस्थान विरुद्ध विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामले।

मामला दर्ज करने वाले कर्मचारीयों का नाम	न्यायालय	इनके विरुद्ध दायर	मामले के संबंध में संक्षिप्त	वाद दायर करने की तिथि	राशि
रघुराज सिंह	पंजाब एवं हरयाणा उच्च न्यायालय	भारत संघ / आईआईएम अमृतसर	रिक्त पद के समायोजन हेतु रिट याचिका	15/12/2018	अनिश्चित
सरबजीत सिंह				15/12/2018	
ललित भल्ला				28/01/2019	
प्रवेश भल्ला				08/11/2019	
मनीष गैंदो				22/10/2019	
रेशम सिंह				26/11/2019	
सास्वत पत्रा			बर्खास्तगी के विरुद्ध रिट याचिका	16/07/2018	
उमेश कुमार				25/05/2020	
कमलजित सिंह जसाल				28/05/2020	

मेहेर सिंह और बक्षिश सिंह	दीवानी न्यायालय अमृतसर		स्थायी परिसर क्षेत्र में राजस्व मार्ग बंद करने कारण	05/03/2018	अनिश्चित

2. अनिष्पादित पूंजी अनुबंध

निष्पादित पूंजी अनुबंध (अग्रिमों का शुद्ध) 212.69 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 330.57 करोड़ रुपये) है, जिसका उपयोग सरकारी अनुदान, एवं निर्धारित पूंजी और दान से किया जाएगा।

3. वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम

प्रबंध की राय में, वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में वसूली पर मूल्य होता है, जो कम से कम बैलेंस शीट में दिखाई गई कुल राशि के बराबर होता है। वर्तमान परिसंपत्तियों, वर्तमान देयताओं, ऋणों और अग्रिमों में शेष राशि की पुष्टि की जा सकती है।

4. कराधान

संस्थान आयकर अधिनियम की धारा 10 (23सी) (iii एबी) के तहत आयकर छूट प्राप्त कर रहा है और इसलिए, खातों में आयकर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

विवरण	2020-2021			2019-2020		
	यूएसडी	यूरो	जीबीपी	यूएसडी	यूरो	जीबीपी
क) विदेश यात्रा	-	-	-	-	1200.00	-
ख) ई-जर्नल, सॉफ्टवेयर, सीडी	116,317.85	-	-	30575.00	21823.00	9741.00

रोम, सिमुलेशन,						
ग) पुस्तक, जर्नल, केस आदि की खरीद।	106,388.38					

6. विदेशी मुद्रा में कमाई

विवरण	**2020-2021** **रु.**	**2019-2020** **रु.**
परियोजना, कार्यक्रम, दान और शुल्क आय	शून्य	शून्य

7. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और पुष्टि के कारण

विवरण	**2020-21** **रु.**	**2019-20** **रु.**
प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में किसी भी आपूर्तिकर्ता को मूल राशि और उस पर देय ब्याज का भुगतान नहीं किया जाता।	1,26,02,088	57,41,110
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार खरीदार द्वारा भुगतान की गई ब्याज की राशि के साथ-साथ प्रत्येक लेखा वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि।	-	-
भुगतान करने में विलंब की अवधि के लिए देय राशि और देय ब्याज की राशि (जिसका भुगतान किया गया है लेकिन वर्ष के दौरान नियत दिन से अधिक) मात्र सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	-	-

प्रत्येक लेखा वर्ष के अंत में अर्जित और बकाया ब्याज की राशि; तथा	-	-
अगले वर्षों में भी शेष और देय ब्याज की राशि, जो की ऐसी तारीख तक जब तक कि एमएसएमईडी अधिनियम 2006 की धारा 23 के तहत कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृत करने के उद्देश्य से उपरोक्त के रूप में ब्याज देय राशि वास्तव में छोटे उद्यम को भुगतान की जाती है।	-	-

संस्थान ने उन आपूर्तिकर्ताओं से पुष्टि प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है जिन्होंने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम 2006) के तहत खुद को पंजीकृत किया है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 (एमएसएमईडी अधिनियम 2006) के तहत पंजीकरण के संबंध में अपने आपूर्तिकर्ताओं से कंपनी द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाओं की सीमा तक उपरोक्त जानकारी संकलित की गई है।

8. पंजाब सरकार द्वारा दान की गई भूमि

पंजाब सरकार द्वारा पूर्व के वर्षों में विनामूल्य आवंटित 60.70 एकड़ भूमि को वित्त वर्ष 19-20 में लेखा पुस्तकों में 75.88 करोड़ रुपये की राशि पर समान लेनदेन (अर्थात 1.25 करोड़ प्रति एकड़) के उचित मूल्य पर निष्पादित किया गया था। पहले के वर्षों में संस्थान ने 23 सितंबर 2019 को श्री विकास हीरा, पीसीएस, अनुविभागीय मजिस्ट्रेट सह भूमि अधिग्रहण कलेक्टर, अमृतसर 1 की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के कार्यवृत्त का संदर्भ लिया गया। उसी को 'फ्रीहोल्ड लैंड' के तहत एकीकृत किया गया था।

वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान संस्थान ने आयकर विभाग से इस भूमि का उचित मूल्य के संबंध में पूछताछ की थी। जवाब में, आयकर विभाग ने अपने पत्र व्हीक्यू/आईटी/एएसआर/2018/एफ-22-244 दिनांक 25 जून 2020 के माध्यम से भूमि का

उचित मूल्य केवल 10.51 करोड़ रुपये के रूप में प्रस्तुत किया है। तदनुसार, पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियां की गई हैं और भूमि का पुनर्मूल्यांकन आयकर विभाग द्वारा एमएचआरडी दिशानिर्देशों में निर्धारित उचित मूल्य मान्यता आवश्यकता के अनुसार प्राप्त मूल्य पर किया गया है।

9. देनदारों, लेनदारों, अग्रिमों आदि की शेष राशि को खातों की पुस्तकों के अनुसार लिया गया है और समाधान/पुष्टिकरण और उसके परिणामी समायोजन के अधीन हैं।
10. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिए गए लेखांकन और प्रस्तुति मानदंडों के आधार पर वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति की पुष्टि करने के लिए पिछले वर्ष के संबंधित आंकड़ों को पुन: समूहित / पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी के लिए

फर्म पं. सं. 006711एन/एन500028

सनदी लेखाकार

बृजेश ठक्कर

पार्टनर

सदस्यता संख्या 135556

अहमदाबाद

प्रो. आर नागराजन

निदेशक

लक्ष्मणदेव गोहील

वित्त एवं लेखा

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of the Indian Institute of Management, Amritsar for the year ended 31 March 2021

We have audited the Balance Sheet of the Indian Institute of Management (IIM), Amritsar (Punjab) as on 31st March 2021, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account for the year ended on that date under Section 19 (2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Power and Conditions of Service) Act 1971 read with Section 23 (3) of the Indian Institutes of Management Act 2017. These financial statements are the responsibility of the Institute's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports, separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipts and

Payments Account dealt with by this Report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Human Resource Development, Government of India vide order No. 29-4/2012-FD dated 17 April 2015.

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Indian Institute of Management, Amritsar in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that:-

A. Income & Expenditure Account
Income
Income from Investments (Schedule 11): ₹ 0.61 crore

A reference is invited to Sl.no.8 of the Significant Accounting Policies (Schedule 24) which states that interest on Investments made out of Corpus Fund is allocated to the Fund. Any surplus interest after allocation to the fund is recognised in Income & Expenditure Account as interest income.

As per the prescribed format, interest on the investment of Corpus fund should be booked as income in the Income & Expenditure Account. Further, net surplus/ deficit from the Income & Expenditure Account is to be transferred to the Corpus/ Capital Fund. The policy adopted is inconsistent with the prescribed format which has resulted in short booking of income of ₹ 1.72 crore in the Income & Expenditure Account.

B. General

The Institute made a provision for ₹ 21.91 lakh in respect of retirement gratuity and death gratuity to the employees, covered under New Pension Scheme (NPS). However, this liability has not yet crystallised as the matter of extension of retirement/death gratuity to the employees of Autonomous Bodies covered under NPS, is still under consideration of the Government. This fact should have been disclosed in notes to accounts.

C. Grant –In-Aid

Position of grant in aid of the Institute as on 31.03.2021 was as under:-

(Amount in ₹ in crore)

Particulars	OH -31			OH-35	OH-36	Interest on grants	Total[1]
	General	HEFA Principal Repayment	HEFA Interest Repayment				
Opening Balance	0	34.84	0	10.38	12.63	2.44	60.29
Add: Grants/ interest received during the year	13.97	34.84	4.48	0	4.18	1.99	59.46
Total available funds	13.97	69.68	4.48	10.38	16.81	4.42	119.75
Utilization as on 31.03.2021	13.97	18.26	4.48	8.21	6.57	0	51.49
Unutilised balance as on 31.03.2021	0	51.42	0	2.17	10.24	4.42	68.26[2]

D. Management Letter

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Management, through a management letter issued separately for remedial corrective action.

v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Indian Institute of Management, Amritsar as at 31 March 2021; and

---

[1] Grant details worked out as per Schedule 4C for the years 2019-20 and 2020-21.

[2] Included interest income on grants amounting to ₹ 4.42 crore (OH-35: ₹ 1.71 crore, OH-36: ₹ 1.61 crore and HEFA Principal Repayment: ₹ 1.10 crore) which is to be remitted to the Consolidated Fund of India in accordance with General Financial Rule 230 (8).

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India

Director General of Audit (Central), Chandigarh

Place: Chandigarh
Date: 9.11.21

Annexure to Audit Report

1. Adequacy of Internal Audit System

The internal audit of the Institute for the year 2020-21 was conducted through a firm of Chartered Accountants. The Internal Audit Manual was under preparation.

2. Adequacy of Internal Control system

Internal Control system was found to be inadequate to the extent that Accounting Manual was not prepared.

3. System of Physical verification of Fixed Assets

Physical verification of the fixed assets for the year 2020-21 was conducted.

4. System of Physical Verification of Inventory

Physical verification of the Inventory for the year 2020-21 was conducted.

5. Regularity in payment of statutory dues

The Institute was regular in depositing statutory dues.

Director

Speed Post

DO No: DGA (C)/CE/SAR/IIM ASR/ 20-21/ 17

सुशील कुमार ठाकुर, आई.ए.ए.एस.
Sushil Kumar Thakur, IAAS

सत्यमेव जयते

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT (CENTRAL), CHANDIGARH

Dated: 09.11.2021

Dear Prof. Nagarajan,

The audit of annual accounts of your Institute for the year ended 31 March 2021 was conducted and significant audit comments in respect of the same have been reported through the Separate Audit Report. However, certain deficiencies noticed which have not been included in the Separate Audit Report but nevertheless are significant (as detailed in the annexure), are being brought to your attention for remedial /corrective action.

You are requested to issue instructions for taking corrective measures in this regard.

Warm regards,

Yours sincerely,

Sd

Prof. Nagarajan Ramamoorthy,
Director,
Indian Institute of Management,
Amritsar

Annexure to the management letter

A. General

Annexure to Schedule of "Current Assets" depicting the sources of funds held in saving & current bank accounts and invested in term deposits, was not appended with the Current Assets Schedule contravening the prescribed format.

Director